बर्षः- 05
अंकः- 329
मुरादाबाद
(Wednesday)
25 March 2026
पृष्ठः-8
मूल्यः- 3.00 रूपया

दैनिक
प्रातः कालीन
क्यूँ न लिखूँ सच
मुरादाबाद से प्रकाशित
भारत सरकार से रजिस्टर्ड
RNI No.UPBIL/2021/83001
राष्ट्रीय हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र

प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

युद्ध ने वैश्विक अर्थव्यवस्था को झटका दिया, इसका असर लंबे समय तक रहेगा, राज्यसभा में बोले पीएम मोदी

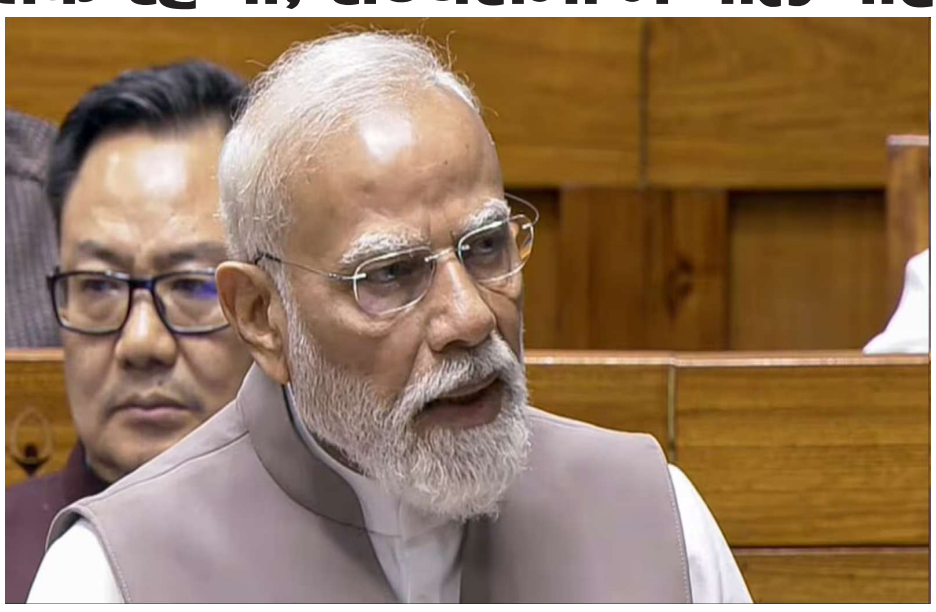

प्रधानमंत्री ने पश्चिम एशिया संकट पर आज राज्यसभा में जानकारी दी। इस दौरान पीएम मोदी ने कहा कि युद्ध के बाद से तीन लाख 75 हजार भारतीय सुरक्षित भारत लौट चुके हैं।ईरान से एक हजार से अधिक भारतीय भारतीय भारत लौटे हैं। इनमें सात सौ से अधिक मेडिकल की पढ़ाई करने वाले छात्र भारतीय हैं। प्रधानमंत्री मोदी आज पश्चिम एशिया संकट को लेकर राज्यसभा में जानकारी दे रहे हैं। इससे पहले सोमवार को प्रधानमंत्री मोदी ने लोकसभा में अपनी बात रखी थी। प्रधानमंत्री मोदी ने राज्यसभा में कहा, पश्चिम एशिया में चल रहे युद्ध और उससे बनी परिस्थितियों से हम सभी परिचित हैं। मैं आज संसद के उच्च सदन और देशवासियों के सामने इन विकट परिस्थितियों पर सरकार का पक्ष रखने के लिए पेश हुआ हूं। इस युद्ध ने पूरे विश्व में ऊर्जा संकट पैदा कर दिया है। भारत के लिए भी ये स्थिति चिंताजनक है। इस युद्ध से हमारे व्यापार के रास्ते प्रभावित हो रहे हैं। पेट्रोल-डीजल, गैस और उर्वरकों जैसे जरूरी सामानों की नियमित आपूर्ति प्रभावित हो रही है। खाड़ी देशों में करीब एक करोड़ भारतीय रह रहे हैं। यह भारत के लिए बड़ी चिंता है। होर्मुज में भारत के कई जहाज फंसे हैं, उनमें बड़ी संख्या में चालक दल के भारतीय सदस्य हैं। ऐसी विकट परिस्थिति में आवश्यक है कि भारत की उच्च सदन से शांति और संवाद की एकजुट आवाज पूरे विश्व में जाए। युद्ध की शुरुआत से बाद से मैंने पश्चिम एशिया के ज्यादातर देशों के राष्ट्राध्यक्षों के साथ दो दौर की बातचीत की है। हम ईरान, इस्त्राइल और अमेरिका के साथ संपर्क में हैं। हमारा लक्ष्य संवाद कूटनीति के माध्यम से क्षेत्र में शांति की बहाली का है। हमने होर्मुज को खोलने के लिए बात की है। व्यवसायिक जहाजों पर हमला और होर्मुज स्ट्रेट बाधित किया जाना अस्वीकार्य है। भारत ने नागरिकों, असैन्य ढांचों और ऊर्जा से जुड़ी बुनियादी संरचना पर हमलों का विरोध किया है। भारत डिप्लोमैसी के जरिए भारतीय जहाजों की आवाजाही के लिए सतत प्रयास कर रहा है। भारत ने समस्या के समाधान के लिए संवाद का ही रास्ता सुझाया है।इस युद्ध में किसी भी जीवन पर संकट मानवता के हित में नहीं है। भारत का सतत प्रयास सभी पक्षों को जल्द से जल्द शांतिपूर्ण समाधान के लिए प्रोत्साहित करने का है। संकट की स्थिति में भारतीयों की सुरक्षा हमारी प्राथमिकता है। युद्ध के बाद से तीन लाख 75 हजार भारतीय सुरक्षित भारत लौट चुके हैं। ईरान से एक हजार से अधिक भारतीय भारतीय भारत लौटे हैं। इनमें सात सौ से अधिक मेडिकल की पढ़ाई करने वाले भारतीय छात्र हैं। सभी देशों ने भारतीयों की सुरक्षा का आश्वासन दिया है। यह बहुत दुखद है कि हमलों के कारण कुछ भारतीयों की मृत्यु हुई है, कुछ गायब हुए हैं। ऐसे में परिजनों को हरसंभव मदद दी जा रही है। जो घायल हैं, उनका बेहतर इलाज किया जा रहा है।होर्मुज विश्व व्यापार के लिए बेहद अहम है। विशेषतौर पर क्रूड और उर्वरक से जुड़ा परिवहन इस क्षेत्र से बड़ी मात्रा में होता है। युद्ध से इस क्षेत्र से आना-जाना बहुत चुनौतीपूर्ण हो गया है। लेकिन विपरीत परिस्थितियों के बावजूद हमारी सरकार ने संवाद के माध्यम से रास्ते बनाने का प्रयास किया है। हमारी कोशिश है जहां से भी संभव हो, वहां से तेल और गैस की सप्लाई आसानी से भारत पहुंचे। बीते कुछ दिनों में दुनिया के अनेक देशों से कच्चा तेल और एलपीजी से भरे जहाज भारत आए हैं। आने वाले दिनों में भी ये प्रयास जारी रहेंगे। लेकिन युद्ध से बनी परिस्थितियां लंबे समय तक बनी रहती है तो इसके गंभीर परिणाम होंगे। इसलिए भारत ने अपनी लचीलापन बढ़ाने के लिए जो भी प्रयास किए हैं, उन्हें गति दी जा रही है। कोई भी संकट हमारे हौंसलों और प्रयासों की परीक्षा लेता है। देश ऐसे संकटों का बेहतर तरीके से सामना कर सके, इसके लिए बीते 11 वर्षों में लगातार प्रयास किए गए हैं। एनर्जी आयात का विविधीकरण किया गया है। पहले गैस और कच्चा तेल 27 देशों से आयात किया जाता था आज भारत 41 देशों से तेल और गैस आयात करता है। भारत ने कच्चे तेल के भंडारण को भी प्राथमिकता दी है। पिछले 11 वर्षों में 53 लाख मीट्रिक टन से अधिक पेट्रोलियम रिजर्व फील्ड बनाया गया है। साथ ही भारत की रिफाइनरी क्षमता भी अच्छी खासी बढ़ाई गई है। भारत के पास कच्चे तेल के पर्याप्त स्टोरेज और सप्लाई की क्षमता है। सरकार घरेलू गैस की सप्लाई के लिए एलपीजी के अलावा पीएनजी पर भी जोर दे रही है। बीते वर्षों में पीएनजी कनेक्शन पर अभूतपूर्व काम हुआ है। बीते दिनों में इसे और बेहतर किया गया है। बीते वर्षों में सरकार का निरंतर प्रयास रहा है कि हर सेक्टर में दूसरे देशों पर निर्भरता कम से कम हो। हम ज्यादा से ज्यादा आत्मनिर्भर हो। यही एकमात्र विकल्प है। भारत का 90 प्रतिशत से ज्यादा ट्रेड विदेशी जहाजों पर होता है, ये स्थिति किसी भी वैश्विक संकट में भारत की स्थिति को गंभीर बना देती है। ऐसे में सरकार ने मेड इन इंडिया जहाज बनाने के लिए 70 हजार करोड़ का प्रावधान किया है। भारत आज शिप बिल्डिंग और मरम्मत के लिए तेज गति से काम कर रहा है। भारत अपने रक्षा सेक्टर को भी ज्यादा लचीला बना रहा है। आज भारत अपनी जरूरत के अधिकांश हथियार भारत में ही बना रहा है। एक समय था भारत अपने जीवन रक्षक दवाओं के कच्चे माल के लिए भी दूसरे देशों पर निर्भर था। बीते वर्षों में इस दिशा में विदेशी निर्भरता को कम करने के लिए बड़े कदम उठाए जा रहे हैं। वर्तमान संकट ने पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्था को हिला दिया है, अभी तक पश्चिम एशिया में जो नुकसान हुआ है, उससे उभरने में भी बहुत समय लगेगा। भारत पर इसका कम से कम असर हो इसके लिए भी इंतजाम किए जा रहे हैं। हमारी अर्थव्यवस्था के आधार मजबूत हैं। भारत ने एक समूह बनाया है, जो हमारे आयात निर्यात में आने वाली समस्याओं पर काम करता है। जैसे कोरोना के समय अलग-अलग सेक्टर की चुनौतियों से निपटने के लिए अलग-अलग ग्रुप बने थे। ऐसे ही नए ग्रुप बनाए गए हैं। ये समूह विभिन्न संकटों से निपटने के लिए बेहतर काम करेंगे। संसद के बजट सत्र में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पश्चिम एशिया संकट को लेकर भारत सरकार के रुख से पूरे देश को अवगत कराया। इसके बाद आज ईरान और अमेरिका-इस्त्राइल के टकराव से उपजे तनावपूर्ण हालात पर पीएम मोदी राज्यसभा में सरकार का रुख साफ कर रहे हैंराज्यसभा में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ऊर्जा सुरक्षा पर चर्चा करते हुए बताया कि पिछले 11 वर्षों में भारत ने 53 लाख मीट्रिक टन का रणनीतिक तेल भंडार तैयार किया है और 65 लाख मीट्रिक टन की अतिरिक्त क्षमता पर काम चल रहा है। इसके अलावा प्रधानमंत्री ने कहा कि सरकार ने 70,000 करोड़ रुपये की लागत से जहाज निर्माण परियोजना भी शुरू की है।पीएम मोदी ने कहा कि भारत का 90 प्रतिशत से अधिक तेल विदेशी जहजों पर होता है यह स्थति किसी भी वैश्विक चुनौती में भारत के लिए हालात चुनौतीपूर्ण बना देती है। इसे देखते हुए हम तेजी से जहाज बनाने पर काम कर रहे हैं। बीते दशक में किए गए प्रयासों से भारत आज अपनी जरूरतों से अधिकांश हथियार भारत में ही बना रहा है।पीएम मोदी ने आगे कहा कि विशेषतौर पर क्रूड और उर्वरक से जुड़ा परिवहन इस क्षेत्र से बड़ी मात्रा में होता है। युद्ध से इस क्षेत्र से आना-जाना बहुत चुनौतीपूर्ण हो गया है। हमारी सरकार ने संवाद के माध्यम से रास्ते बनाने का प्रयास किया है। हमारी कोशिश है जहां से भी ये चीजें आसानी से भारत पहुंचे। बीते कुछ दिनों में दुनिया के अनेक देशों से कच्चा तेल और एलपीजी से भरे जहाज भारत आए हैं। आने वाले दिनों में भी ये प्रयास जारी रहेंगे।पीएम मोदी ने आगे कहा कि इस संकट के समय में खाड़ी देशों में फंसे भारतीयों की सुरक्षा हमारी बहुत बड़ी प्राथमिकता है। युद्ध के बाद से तीन लाख 75 हजार भारतीय सुरक्षित भारत लौट चुके हैं। ईरान से एक हजार से अधिक भारतीय भारतीय भारत लौटे हैं। इनमें सात सौ से अधिक मेडिकल की पढ़ाई करने वाले छा भारतीय हैं। यह बहुत दुखद है कि हमलों के कारण कुछ भारतीयों की मृत्यु हुई है, कुछ गायब हुए हैं। जो घायल हैं, उनका बेहतर इलाज किया जा रहा है।

पश्चिम एशिया संकट पर सरकार के रुख पर राहुल बोले- भारत की विदेश नीति पीएम मोदी की निजी नीति बन गई

कांग्रेस सांसद और लोकसभा नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने पश्चिम एशिया संकट और देश की विदेश नीति पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की आलोचना की। उन्होंने कहा कि भारत की विदेश नीति अब पीएम मोदी की निजी विदेश नीति बन गई है और पूरी दुनिया इसे मजाक मानती है। राहुल ने कहा कि अगर प्रधानमंत्री पर किसी तरह का दबाव पड़ता है, तो देश की विदेश नीति भी प्रभावित होती है।राहुल गांधी ने सोमवार को संसद में पीएम मोदी के भाषण को अप्रासंगिक बताया और कहा कि इसमें भारत के स्पष्ट रुख की कमी थी। उन्होंने चेतावनी दी कि इस स्थिति का असर आम जनता पर पड़ेगा, जैसे कि एलपीजी और पेट्रोल की कीमतों में बढ़ोतरी हो रही है। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी ने कोविड जैसी स्थिति का उदाहरण दिया, लेकिन उन्होंने भूल गया कि उस समय कितनी मौतें हुईं और कितनी त्रासदियां हुईं।इस्त्राइल-अमेरिका के अनुसार काम करते हैं पीएम- राहुल इसके अलावा राहुल गांधी ने कहा कि वे केरल में कार्यक्रम में व्यस्त होने के कारण सभी दलों की बैठक में शामिल नहीं हो पाएंगे। उन्होंने आरोप लगाया कि विदेशी दबावों के कारण प्रधानमंत्री अमेरिका और इस्त्राइल के अनुसार काम करते हैं और देश व किसानों के हित में निर्णय नहीं लेते। उन्होंने सरकार पर गंभीर रूप से किसानों और जनता के हितों की अनदेखी करने का आरोप लगाया।

पश्चिम एशिया युद्ध से दुनिया को नुकसान, मोहन भागवत की बड़ी चेतावनी;वृंदावन से दिया ये संदेश

वृंदावन में जीवनदीप आश्रम के लोकार्पण के दौरान मोहन भागवत ने जीवन में संघर्ष और धैर्य का संदेश दिया। उन्होंने विश्व में बढ़ते तनाव पर चिंता जताते हुए समाज को धर्म और जिम्मेदारी निभाने की अपील की।वृंदावन के रुक्मिणी विहार में स्थित नव-निर्मित जीवनदीप आश्रम का भव्य लोकार्पण संघ प्रमुख मोहन भागवत ने किया। इस सर पर स्वामी यतिद्रानंद महाराज, मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव और कैबिनेट मंत्री लक्ष्मीनारायण चौधरी सहित कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।लोकार्पण समारोह को संबोधित करते हुए मोहन भागवत ने कहा कि जीवन में आने वाले उतार-चढ़ावों और कठिनाइयों से घबराना नहीं चाहिए, बल्कि उनसे लड़ना चाहिए। उन्होंने कहा कि %जीवन के थपेड़ों से लड़ना है, हारना नहीं।% आश्रमों को धर्म की शिक्षा का केंद्र बताते हुए उन्होंने कहा कि ये स्थान न केवल आध्यात्मिक ज्ञान प्रदान करते हैं, बल्कि भौतिक शरीर को ऊर्जावान, ओजस्वी और तेजस्वी बनाने में भी सहायक होते हैं।मोहन भागवत ने विश्व में व्याप्त तनाव और कलह पर चिंता व्यक्त की। विशेष रूप से पश्चिम एशिया में चल रहे युद्ध का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि इस प्रकार की कलह से केवल नुकसान ही हो रहा है। उन्होंने बदले की भावना से किए जा रहे कार्यों को गलत ठहराया और शांति व सौहार्द का संदेश दिया। संघ प्रमुख ने धर्मांतरण को रोकने में समाज की भूमिका पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि यह कार्य केवल कानून का ही नहीं, बल्कि समाज का भी है। उन्होंने घुसपैठियों को रोकने और बिना अनुमति देश में आकर रोजगार प्राप्त करने वाले विदेशियों के प्रति सजग रहने की आवश्यकता पर बल दिया।

संक्षिप्त समाचार

बांके बिहारी मंदिर: ठाकुरजी के दर्शन से पहले भीड़ के दबाव में चीख पड़े बच्चे- महिलाएं, ट्रैफिक व्यवस्था हुई फेल

वृंदावन के बांके बिहारी मंदिर में भारी भीड़ के कारण हालात बेकाबू हो गए और धक्कामुक्की की स्थिति बन गई। पुलिस और बैरिकेडिंग व्यवस्था भीड़ के आगे कमजोर पड़ती नजर आई, जिससे श्रद्धालुओं को काफी परेशानी हुई।श्री बांकेबिहारी मंदिर में एक बार फिर भक्तों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। सुबह से ही दर्शन के लिए श्रद्धालुओं का सैलाब मंदिर परिसर में पहुंचने लगा, जो दोपहर तक बेकाबू हालात में दिखा। मंदिर के बाहर की गलियों और बाजारों में भी पैर रखने तक की जगह नहीं बची।दुकानों के सामने और मार्गों पर भक्तों की लंबी कतारें लग गईं, जिससे पूरे क्षेत्र में जाम जैसे हालात बन गए। भीड़ के बीच सबसे ज्यादा परेशानी छोटे बच्चों और बुजुर्ग महिलाओं को झेलनी पड़ी। कई जगहों पर धक्का-मुक्की की स्थिति बन गई, जिससे लोग घबराए नजर आए। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, भीड़ के दबाव में कई श्रद्धालु एक-दूसरे से बिछड़ गए और अफरा-तफरी का माहौल बन गया। फूल गए। पुलिस द्वारा बनाए गए बैरिकेट और मार्ग नियंत्रण व्यवस्था भी भीड़ के आगे बेअसर साबित हुई। हालात संभालने के लिए श्रद्धालुओं को रोक-रोककर भेजा गया, लेकिन संख्या इतनी अधिक थी कि व्यवस्था लगातार टूटती नजर आई। निर्धारित स्थानों पर श्रद्धालुओं को रोकने की योजना सफल नहीं हो सकी और भीड़ सीधे मंदिर की ओर बढ़ती रही।

एआई-आधारित निवेश मित्र 3.0 का शुभारंभ, CM योगी ने किया लॉन्च

लखनऊ के लोक भवन में निवेश मित्र 3.0 का शुभारंभ किया गया। यह पोर्टल निवेश और व्यवसाय को आसान बनाने के उद्देश्य से शुरू किया गया है।मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ मंगलवार को लोकभवन में एआई-आधारित उन्नत सिंगल विंडो पोर्टल निवेश मित्र 3.0 का शुभारंभ किया। यह पहल प्रदेश में निवेश बढ़ाने, उद्योग स्थापना प्रक्रिया को सरल बनाने और उत्तर प्रदेश को 10 खरब डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने के लक्ष्य को गति देने के उद्देश्य से शुरू किया गया।

साथ ही यूपी प्राइवेट बिजनेस पार्क डेवलपमेंट स्कीम-2025 का भी शुभारंभ हुआ।कार्यक्रम में मैन्युफैक्चरिंग, इलेक्ट्रॉनिक्स, फूड प्रोसेसिंग, ऑटोमोबाइल सहित विभिन्न क्षेत्रों की 85 कंपनियों को लेटर्स ऑफ कम्फर्ट, एलिजिबिलिटी सर्टिफिकेट, भूमि आवंटन पत्र और 2,781.12 करोड़ रुपये की सब्सिडी दी जाएगी। डीबीएफओटी (पीपीपी) मॉडल पर आधारित प्लग-एंड-प्ले इंडस्ट्रियल शेड्स योजना भी शुरू हुई,

जिससे निवेशक तुरंत उत्पादन शुरू कर सकेंगे।इन्वेस्ट यूपी दो कंपनियों के साथ एंटरप्रेन्योरशिप डेवलपमेंट सेल और द कन्वर्जेंस फाउंडेशन के साथ स्किल कनेक्ट सेल हेतु एमओयू करेगा। कार्यक्रम में वित्त मंत्री सुरेश खन्ना, औद्योगिक विकास मंत्री नंद गोपाल गुप्ता नंदी सहित वरिष्ठ अधिकारी मौजूद है।

संपादकीय Editorial

Yet the budget is alive.

There are footsteps, there is recognition, but no count. If seeing reality with open eyes is the criterion, then Sukhwinder Singh Sukhu's budget has its eyes open. Because we are accustomed to receiving food with a silver spoon, therefore, there is kheer spilled on the plate, not silver work. Ultimately, the RDG who created the ruckus must be surprised that the budget is still alive. It is the one who lacks willpower who dies, but here there is the art of improvement and improvement. If we look at the throne and crown in Himachal's budget, we will see that from a budget of Rs 58514 crore for 2025-26, the state is now retreating to a sheet of Rs 54928 crore. The good thing is that a lot of effort has been made, sir, to test your treasury, to show that there are many arrows in your quiver. In the budget, should we look at the state, understand the treasury, or move beyond immediate needs? The budget speech, stretching over four hours, tried to convince the Chief Minister that he was alive. The Chief Minister stood close to the village's sentiments, its landscape, and its economic potential. It's clear that cattle are being fed the fodder of destiny, and the price of cow milk, at 61 rupees per kg and buffalo milk, at 71 rupees per kg, is demonstrating a new economic future for the farmer's cowshed. If the Seed Village concept will make 100 villages progressive, the support price for the purchase of wheat, maize, turmeric, and barley from natural farming, based on micro-irrigation, farm roads, and fencing, has been increased. Fishermen will realize for the first time that, if the government wishes, their profession can shape their future economically. Similarly, the promotion scheme designed to increase trout fish production could offer significant potential for self-employment. If the government had also added some incentives for honey, herbal, and flower cultivation to the rural economy, this package would have been further strengthened. It's a different matter that, while prioritizing rural areas, the government also sees many possibilities in the needs of urbanization. The urbanization being highlighted by a provision of ?542 crore will inspire new municipalities. While the vision for new cities may be high-sounding, the reality is that the Smart City plans for Dharamshala and Shimla are filled with tears. The government cites the extreme poverty of its economic system and takes the bold decision to cut salaries in the name of wasteful expenditure. In this context, one of the budget's concerns is the mess in economic parameters, which are so strained by employee salaries, pensions, borrowings, and debt repayments that not even a quarter of the expenditure is left for development, social security, and relief. There will be joyous celebrations, and this is a spring for those categories or positions whose remuneration or honorarium has been increased. Congratulations to the assembly constituencies where many glimpses of happiness have emerged, especially because the Speaker himself was seen expressing his aspirations for his constituency, citing two constituencies. The budget has laid bare the guarantees of power on the ground of political oaths. The Chief Minister, instilling hope in the lives of 100,000 extremely poor people, provides free electricity supply for 300 units. On the other side of the political spectrum, the opposition also found an opportunity to position itself as the opener in the budget opening. The budget showcases its potential for medical colleges, but the tourism sector is the most visible. The expansion of Kangra Airport, this government's biggest and dream project, is now finding its footing for an Aerocity. Entry gates are being expanded under UDAN, and many other intentions are also being revealed. The budget speech itself.

Trump's arbitrariness and arrogance have pushed the world into crisis.

Three weeks have passed since the US, in collaboration with Israel, attacked Iran, but no one understands what America's motives are and how and when this war will end. Iran has adopted a strategy of using every possible means to retaliate against the US and Israeli attacks. The US attack on Iran is the main cause of the global crisis. Trump's arbitrariness has led to energy crises and rising inflation. The US President's excessive powers threaten world peace. Three weeks have passed since the US, in collaboration with Israel, attacked Iran, but no one understands what America's motives are and how and when this war will end. Iran has adopted a strategy of using every possible means to retaliate against the US and Israeli attacks. In addition to targeting Israel, it is also attacking civilian targets and energy sources in Gulf countries under the pretext of US military bases there. By attacking energy facilities in Gulf countries, it has given the war a new dimension. It has also deepened the global energy crisis by blocking the Strait of Hormuz, the oil and gas supply route. Iran's Supreme Leader, Ayatollah Ali Khamenei, along with several of his aides and military officials, have been killed in US and Israeli attacks, yet there is still no sign of a regime change. Initially, the US President stated that the attacks on Iran were aimed at regime change and eliminating Iran's nuclear weapons capability. As the war drags on, and oil and gas supplies are disrupted and prices are constantly rising, inflation and unemployment are threatening to rise in many countries, including India. The impact of expensive energy is also being felt in Europe and the United States. Trump's challenge is further compounded by his request to send his navies to protect the Strait of Hormuz. This appears to be isolating Trump. Internationally, he is being seen as a head of government who pushed the world into crisis. At the same time, opposition to him is growing at home. Iran's retaliatory attacks and targeting energy installations in Gulf countries clearly indicate its intention to exacerbate the energy crisis. The US appears incapable of mitigating this crisis. Despite this, President Trump's arrogant attitude continues. He is facing questions about what authority he had to attack Iran without the approval of the US Congress. One of his top officials resigned, stating that Iran posed no threat to the US and was nowhere near developing a nuclear bomb. This is not the first time the US has arbitrarily attacked a country or attempted to forcibly change its regime. Such actions by US presidents have a long history. From Vietnam to Iraq, Afghanistan, Libya, etc., US attacks have been a testament to its arbitrariness. Some US attacks in other countries were legitimized because either the United Nations criticized the country's actions, calling it a threat to world peace, or NATO or the European Union expressed the need for intervention in the country. In many such attacks, the US has invoked the right to self-defense or cited the threat of genocide or the existence of weapons of mass destruction in the country in question. The US has enacted laws that authorize military intervention in another country in the name of self-defense. One such law was enacted after 9/11. It is known as the Authorization for the Use of Military Force. Trump invoked this law to attack Iran. He cited the president's war powers to justify the attack. Many legal experts are calling it illegal, but Trump remains unperturbed. The US president is the supreme commander of the military, but the power to formally declare war rests with Congress. In an emergency, the president can take military action anywhere without Congress's approval, but he must inform Congress within 48 hours, and if Congress does not receive approval, he must halt military action within 60-90 days. The problem is that the US president also has the power to veto Congress's decision. Congress can overturn this veto, but only with a two-thirds majority. America is one of the world's oldest democracies, but the American president is easily able to abuse his excessive powers, and when an arrogant president like Trump comes to power, it poses a threat to the global order. America itself should consider how much such a powerful president is in its own interest. The US president imposes economic sanctions on any country at any time. Similarly, he imposes arbitrary tariffs on imports from any country through administrative orders. It was fortunate that the US Supreme Court declared the Trump tariffs illegal, but he is again looking for excuses to impose tariffs on various countries through other means. By doing so, he is demonstrating his dictatorial mentality. Because America is the most powerful country militarily and economically, it is able to act arbitrarily. Military intervention in other countries or forced regime change are examples of these actions. His approach to this matter is dictatorial. Trump's recent attack on Venezuela and kidnapping of its president was nothing but a dictatorial act. Similarly, his threat to annex Greenland was a manifestation of his arbitrariness. His recent threat to annex Cuba was also arbitrary. The US president is able to display such arbitrariness because the Constitution grants him excessive powers. This situation is neither auspicious for American democracy nor for the world order.

Facing the Crisis

Keep in mind that any crisis is easier to resolve when the government, administration, and the general public face it with the conviction that no matter what the challenge, it will be overcome. The Prime Minister reviewed energy supplies during the West Asia war. He emphasized the need to maintain uninterrupted supplies of petrol, diesel, gas, and fertilizers. State governments must be proactive in preventing black marketing. In light of the protracted war in West Asia, the Prime Minister held an emergency meeting with his ministers to discuss preparations for maintaining uninterrupted energy supplies across the country. This was a timely discussion. The findings of the measures discussed in this meeting to ensure smooth supply of petrol, diesel, gas, and fertilizers will need to be shared with the state governments and some guidance will also be provided. Just as the central government appears to be gearing up to overcome the crisis, state governments will also need to be proactive. It would be appropriate for the Prime Minister to also hold discussions with the Chief Ministers and Chief Secretaries of the states to ensure that the message reaches every level that an energy and fertilizer crisis will not be allowed to arise anywhere in the country. Undoubtedly, the current situation cannot be compared to the COVID-19 period, but the need to ensure the supply of essential commodities and prevent black marketing and hoarding has certainly increased. The central and state governments must not only ensure the smooth supply of energy resources but also ensure that the wheels of the economy remain running. To achieve this, it is essential to identify high-risk areas and take necessary measures. As the ongoing war between the US, Israel, and Iran has entered its fourth week, and there is no sign of when or how this military conflict will end, the crisis in oil and gas supplies from West Asian countries may deepen. This situation could further increase oil and gas prices in the international market. Consequently, the Indian government may also be forced to increase their prices. This could also lead to some inflation in the country. Keep in mind that air travel to Western countries has already become expensive. It is hoped that prices will not be raised, but we must also be prepared to face adverse circumstances. This preparation should be undertaken at the level of the central government, as well as state governments and district administrations. At the same time, the public must understand that the Indian government has no role in the crisis that has arisen. Therefore, if any difficulties arise, the public must exercise restraint. Remember, any crisis is resolved only when the public, along with the government and administration, faces it with the conviction that whatever the challenge, it will be overcome.

Now, Delhi too should be named Indraprastha, deeply rooted in the Sanatan tradition.

Following the renaming of Kerala to Keralam, the demand for renaming Delhi Indraprastha has gained momentum. This idea became public during the Indraprastha Festival in 2016. The name Indraprastha is deeply rooted in the Sanatan tradition, symbolizing just governance and spiritual significance. Following Kerala's renaming, the demand for renaming Delhi Indraprastha has gained momentum. Indraprastha is deeply symbolic of the Sanatan tradition and just governance. The name Delhi is associated with instability, invasions, and civilizational decay. Following the recent renaming of Kerala to Keralam, the demand for renaming the National Capital Region Indraprastha has gained new momentum. Previously, this idea was largely confined to nationalist discourse. It emerged widely in the public arena during the first Indraprastha Festival held at the Old Pandava Fort in 2016. The event was organized by the Draupadi Dream Trust and supported by the Ministry of Culture, Government of India. Since then, the topic has been a part of public and political discourse. The capital's ancient name, Indraprastha, is deeply rooted in the Sanatan tradition, and Delhi is believed to be associated with a small settlement of King Dhelu. Prastha also means flat land (plateau) in Sanskrit. Thus, Indraprastha became revered not only as an administrative center but also as a spiritual and cultural landscape. This name symbolizes a period when power and justice were based on dharma. Lord Krishna, recognizing the region's ancient sanctity, chose it to establish the Pandava kingdom. According to the Mahabharata, Yudhishthira bathed in the Yamuna, performed the Rajasuya Yagna, and became the Chakravarti Emperor of Indraprastha. According to Swami Dayanand's research and the inscriptions at the Nathdwara temple in Rajasthan, approximately 124 Aryan rulers, from Emperor Yudhishthira to Emperor Yashpala, ruled here for 4,157 years, with an average reign of approximately 39 years. Historians Henry Hardy Cole and Alexander Cunningham also consider it one of India's earliest urban settlements. The Sabha Parva of the Mahabharata describes Indraprastha as a well-planned city, catering to the needs of all sections of society. The city was connected to other religious centers like Kashi by well-organized roads. Buddhist traditions mention that Buddha's razor and needle were also installed in Indrapatta (Indraprastha), indicating its widespread influence. In contrast, folklore associates the origin of the name Delhi with King Dhelu. It is said that he attempted to test the condition of the sacred Vishnugiri Iron Pillar at Mehrauli (a symbol of the stability of the state). In the process, the Nagadeva, a symbol of architecture, was injured, and the pillar's nail became loose. This loose nail gave rise to the word Dillika, and later, Delhi. Ironically, this incident, associated.

शादीशुदा सिपाही ने धोखा दे युवती से किया निकाह, छह माह बाद हकीकत उजागर, आरोपी के खिलाफ प्राथमिकी

शादीशुदा सिपाही ने युवती से धोखा देकर निकाह कर लिया। आरोपी के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। सिपाही पर धमकी देने का भी आरोप है। बिलारी थाना क्षेत्र के एक गांव की युवती से शादीशुदा सिपाही ने धोखा देकर निकाह कर लिया। निकाह के छह माह बाद युवती और उसके परिवार के लोगों को पता चला कि सिपाही पहले से शादीशुदा था। बिलारी थाने में युवती की ओर मुरादाबाद पुलिस लाइन में तैनात सिपाही यूसुफ के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की गई है।बिलारी के गांव निवासी युवती ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि मुरादाबाद पुलिस लाइन में तैनात सिपाही मो.यूसुफ ने अपने परिवार की मर्जी के बगैर तीन वर्ष पहले निकाह किया था। वह अपने घर से दस तौले सोने का जेवर ले गई थी जिसे सिपाही युसुफ को दे दिया था।निकाह के लगभग छह माह बाद पता चला कि युसुफ पहले से ही शादीशुदा है और दो बच्चों का पिता है। युवती का आरोप है कि सिपाही ने धोखाधड़ी कर प्रेमजाल में फंसाकर उससे निकाह किया है। युवती के अनुसार जब उसने सिपाही के खिलाफ पुलिस में शिकायत करने की बात कही तो उसने युवती के साथ मारपीट कर घर से निकाल दिया और उसके भाइयों को एनडीपीएस के झूठे मुकदमे में फंसाने की धमकी दी। बाद में सिपाही ने उसकी शादी अमरोहा जिले के जोया कस्बा निवासी युवक से 27 अक्तूबर 2024 को करा दी। जोया में शादी कराने के बाद भी सिपाही उसे फोन करके मिलने का दबाव बनाने लगा। अपने मनसूबों में कामयाब नहीं होने पर सिपाही ने उसके पति को अपने साथ हुए निकाह के फोटो भेज दिए और उसे भड़का कर घर से भी निकलवा दिया। एसपी देहात कुंवर आकाश सिंह ने बताया कि तहरीर के आधार पर आरोपी मो. युसुफ के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज दर्ज की गई है।

आतंकी हारिश और उससे जुड़े लोगों से आमने-सामने होगी पूछताछ, जल्द लाया जाएगा मुरादाबाद, यह सामान हुआ बरामद

आतंकी संगठन में युवाओं को शामिल करने के आरोपी हारिश को एटीएस जल्द मुरादाबाद लाएगी। इससे पहले जांच टीम एटीएस को उससे जुड़े आतंकी संगठन आईएस के लिए युवाओं को निवासी हारिश से करेगी। एनआईए कोर्ट सोमवार को हारिश की कर दी।एटीएस उसे सुराग जुटाएगी। एटीएस ने हारिश को 15 मार्च को गिरफ्तार किया था। सहारनपुर के कुतुबशेर इलाके का निवासी हारिश मुरादाबाद से बीडीएस की शिक्षा ग्रहण कर रहा था।एटीएस की जांच में सामने आया था कि वह आईएस की जिहादी विचारधारा से प्रभावित होकर सोशल मीडिया के कई प्लेटफॉर्म पर कट्टरपंथी विचारधारा वाले युवाओं और नाबालिगों को जोड़ रहा था, ताकि देश में किसी बड़ी आतंकी घटना को अंजाम दिया जा सके। एटीएस ने उसके हॉस्टल के कमरा नंबर जी-7 से पेन ड्राइव, मोबाइल और आईपैड बरामद किया था, जिसका विधि विज्ञान प्रयोगशाला से डाटा निकालने पर कई अहम सुराग मिले थे। अब इन सुरागों के आधार पर उससे पूछताछ की जाएगी। साथ ही उसे मुरादाबाद और सहारनपुर ले जाकर छानबीन होगी। एटीएस उसके ग्रुप से जुड़े अन्य सदस्यों के बारे में भी पता लगा रही है। इनमें से कुछ को चिह्नित किया जा चुका है। पूछताछ के दौरान हारिश का उनसे आमना-सामना भी कराया जाएगा। साथ ही उसके बैंक खातों में आई रकम के बारे में भी छानबीन करेगी। एटीएस 28 मार्च को रिमांड खत्म होने पर उसे वापस लखनऊ जेल में दाखिल कराएगी।

डीआईजी को घिरा देख अकेला छोड़कर लौट गए थे जिलाधिकारी

मुरादाबाद । गांव असालतनगर बघा में युवती से छेड़खानी के आरोपित के घर छह जुलाई साल 2011 को पुलिस टीम दबिश देने पहुंची थी। तभी पुलिस पर महिलाओं ने धार्मिक ग्रंथ का अपमान करने का आरोप लगाकर हंगामा शुरू कर दिया था। पुलिस के साथ मारपीट के साथ वर्दी भी फाड़ दी थी। सुबह मामला शांत हो गया था, लेकिन दोपहर में नमाज के बाद 02-30 बजे भीड़ इकट्ठा होना शुरू हुई। सपा नेता ने तूल देते हुए आस-पास के गांव के लोगों को पुलिस के खिलाफ भड़काते हुए डींगरपुर के तिराहे पर बुला लिया और संभल-मुरादाबाद मार्ग पर जाम लगाकर हंगामा करना शुरू कर दिया था। घंटा भर हंगामे के दौरान सड़क के बीचों बीच एक वाहन पलट दिया गया। सूचना मिलने पर तत्कालीन कोतवाली प्रभारी निरीक्षक जितेंद्र कुमार मौके पर पहुंची भीड़ को समझाने के प्रयास किया। कुछ देर बाद उग्र भीड़ ने मैनाठेर कोतवाली में तोड़फोड़ शुरू कर दी। इतना ही नहीं कोतवाली में खड़ी पुलिस जीप में आग लगा दी। डींगरपुर तिराहे पर लोग हमलावर हो चुके लोग पुलिस से भिड़ गए थे। पुलिस टीम पर पथराव किया था। कुछ ने हवाई फायरिंग कर दी थी। गंभीरता को देखते हुए डीआईजी अशोक कुमार, डीएम राजशेखर मौके पर पहुंचे। भीड़ को समझाने के लिए डीआईजी भीड़ की ओर बढ़ गए और उग्र हो रही भीड़ के बीच पहुंच गए। जबकि डीएम पीछे ही रुके हुए थे। डीआईजी ने जब लोगों को समझाने का प्रयास किया तो उन्हें अकेला पाकर किसी ने भीड़ को उकसाया तो उन्हें घेर कर हमला कर दिया। डीआईजी पर हमला और खुद को घिरा देख डीएम टीम संग भाग निकले थे। उधर, डीआईजी के हमराह और एस्कार्ट भी भीड़ की उग्रता देख आगे बढ़ने के बजाय डीएम के काफिले के साथ निकल गए। इसके बाद उपद्रवियों ने डीआईजी व पुलिसकर्मियों को निशाना बना लिया। लाठी डंडों से डीआईजी की पिटाई की गई। डीआईजी ने पिस्टल निकालनी चाही तो पिस्टल छीन ली। जान बचाने के लिए डीआईजी पेट्रोल पंप के एक कमरे में घुस गए थे। भीड़ पेट्रोल पंप में बने कमरे का दरवाजा तोड़कर डीआईजी को बाहर निकालने का उतारू थी। जान बचाने के लिए पेट्रोल पंप के कमरे में छिपे थे-डीआईजी को घेरने और मारपीट सूचना पूरे मंडल फैल चुकी थी। सूचना पाकर सीओ संभल और सीओ हसनपुर मौके पर पहुंचे भीड़ को फायरिंग कर तितर-बितर किया और घायल डीआईजी को पेट्रोल पंप के कमरे से निकाल कर उपचार के लिए मुरादाबाद लाया गया था। जान बचाने के लिए पेट्रोल पंप में छिपने से पूर्व ही उन्हें गंभीर चोट आई थीं। पुलिस की गाड़ी को आग लगाते हुए पीएसी के एक मिनी ट्रक को पहले पलटा और फिर कुछ मिनट बाद उसमें भी आग लगा दी। 33 आरोपियों पर दर्ज हुई थी प्राथमिकी, एक था नाबालिग- पुलिस ने डीआईजी के पीआरओ रवि कुमार के शिकायती पत्र के आधार पर 33 आरोपियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर की थी। जिसके बाद इस मामले की विवेचना तत्कालीन इंस्पेक्टर संभल राजेश कुमार चौधरी को सौंपी थी। एक अक्टूबर 2011 को चार्जशीट कोर्ट में दाखिल की गई। सुनवाई के बाद सोमवार को कोर्ट ने मंजूर अहमद निवासी डींगरपुर, मोहम्मद अली, हाशिम निवासी ललवारा मैनाठेर, मोहम्मद कमरुल, मोहम्मद मुजीफ निवासी मसेबी रसूलपुर मैनाठेर, मोहम्मद यूनुस, रिजवान निवासी लालपुर मैनाठेर, अम्बरीश पुतत्र अनवर निवासी शाहपुर चमारान, कासिम निवासी परियावली असमोली संभल, मोहम्मद मोबीन उर्फ मोहम्मद मोहसिन निवासी बरखेड़ा डिडौली अमरोहा, मोहम्मद मुजीब, तहजीब आलम निवासी असदपुर मैनाठेर, जाने आलम निवासी मिलक नवाब मैनाठेर, फिरोज निवासी ताहरपुर मैनाठेर और मोहम्मद नाजिम निवासी असदपुर मैनाठेर को दोषी करार दिया। मामले की सुनवाई के दौरान दो की मौत हो गई और एक नाबालिग है। ऐसे में उसकी फाइल अलग कर दी गई। सपा सरकार में वापस हुए थे मुकदमे-इस प्रकरण में कुंदरकी के कद्दावर नेता का नाम था। आरोप था कि उकसावे पर ही भीड़ उग्र हुई थी और बवाल किया था। बाद में सपा सरकार आने पर आरोपी नेता सहित कई आरोपियों के नाम मुकदमे में से वापस लिए गए थे। कई दिन बाद मिली थी पिस्टल-छीनी गई पिस्टल लगभग एक महीने बाद पुलिस ने बरामद की थी।

मैनाठेर कांडः भीड़ ने थाने पर हमला कर फूंक दिए थे वाहन, पुलिसकर्मियों से छीन लिए थे हथियार, अब 16 दोषी करार

मुरादाबाद के मैनाठेर कांड के 15 वर्ष बाद तत्कालीन डीआईजी पर हमला करने के मामले में अदालत ने 16 आरोपियों को दोषी करार दिया है। चार आरोपियों की सुनवाई के दौरान मृत्यु हो चुकी है। तब मैनाठेर थाना क्षेत्र में दस घंटे तक बवाल कर्मी जख्मी हुए थे।एक जरा सी अफवाह से के जिस आरोपी की तलाश में पुलिस ने उसके महिलाओं से अभद्रता और धार्मिक पुस्तक के कुछ ही देर में मुरादाबाद, रामपुर, संभल और इतना आक्रोशित हो गई थी कि मैनाठेर थाने पुलिस कर्मियों के वाहन फूंक दिए थे और मैनाठेर इलाका सुलगता रहा। लखनऊ से स्पेशल मुरादाबाद भेजी गई थी। इसके बाद ही हालत जुलाई 2011 की सुबह आठ बजे मैनाठेर के असालतनगर बघा में मुस्लिम अहमद की तलाश बाद में परिवार के लोगों ने आरोप लगाया कि धार्मिक पुस्तक का अपमान किया है। यह खबर

संभल रोड पर इकट्ठा हो गए और पुलिस के खिलाफ नारेबाजी शुरू कर दी थी। इसके बाद भीड़ ने मैनाठेर थाने में आगजनी कर दी थी और वाहनों को आग के हवाले कर दिया था। इसके अलावा पुलिस कर्मियों से हथियार भी छीन लिए थे। मैनाठेर चौकी में भी आरोपियों ने हमला कर दिया था। करीब दस घंटे तक बवाल होता रहा है। डीआईजी घायल होने के बाद हालात और ज्यादा खराब हो गए थे। मुरादाबाद, बिजनौर,रामपुर के अलावा मेरठ तक के अफसर और पुलिस को बुला लिया गया था। इसके बाद ही पुलिस ने आरोपियों की गिरफ्तारी को रणनीति बनाकर के बाद दबिश दी थी।टायलेट का दरवाजा तोड़कर किया था हमला, छीन ली थी पिस्टल- भीड़ को समझाने पहुंचे तत्कालीन डीआईजी अशोक कुमार सिंह पर लोगों ने अचानक हमला कर दिया था। वह अपनी जान बचाने के लिए डींगरपुर में पेट्रोल पंप पर टायलेट में छिप गए थे लेकिन भीड़ वहां तक पहुंच गई थी। ईंट पत्थर मारकर टायलेट का दरवाजा तोड़ दिया था। इसके बाद भीड़ ने उस पर हमला कर दिया और उनकी पिस्टल भी छीन ली थी। पुलिस ने लोगों से पिस्टल बरामद की थी।तत्कालीन डीआईजी समेत 20 पुलिस कर्मी हुए थे घायल-इस घटना में डीआईजी अशोक कुमार सिंह गंभीर रूप से घायल हो गए थे। इसके अलावा उस वक्त के डीएम राजशेखर के अलावा पुलिस कर्मी राकेश कुमार, सुनील कुमार, राम विलास, सतीश समेत अन्य पुलिस कर्मी भी घायल हो गए थे। इस मामले में चार मुकदमे दर्ज किए गए थे।डीआईजी के सिर और दोनों हाथों की उंगलियों में हो गया था फ्रैक्चर-तत्कालीन डीआईजी अशोक कुमार सिंह पर भीड़ ने इस कदर हमला किया था कि उनके सिर में गंभीर चोट आई थीं और दोनों हाथों की उंगलियों में फ्रैक्चर हो गया था। सिर में 20 टांके लगे थे। करीब तीन माह तक उनका उपचार चला था। अशोक कुमार सिंह वर्तमान में अपर पुलिस महानिदेशक हैं और लखनऊ में तैनात हैं। तत्कालीन डीएम समेत 24 लोगों के हुए थे बयान- एडीजीसी बृजराज सिंह ने बताया कि मैनाठेर बवाल कांड में बयान दर्ज कराने के लिए 51 लोगों की लिस्ट बनाई गई थी। इस मामले में एडीजी एवं मुरादाबाद के तत्कालीन डीआईजी अशोक कुमार सिंह और प्रवर निदेशक जल निगम ग्रामीण उत्तर प्रदेश एवं मुरादाबाद के तत्कालीन डीएम राज शेखर, डीआईजी के पीआरओ रवि कुमार, डीआईजी की पिस्टल बरामद करने वाले एसएसआई जसवीर सिंह, पेट्रोल पंप में सेल्समैन संतराम सिंह, सिपाही राकेश कुमार, मोहम्मद हुसैन, कौशलेंद्र, सुनील कुमार, सतीश चंद्र व राम निवास के बयान भी दर्ज कराए गए थे। भागने वाले सात पुलिस कर्मी किए गए थे बर्खास्त-मैनाठेर में बवाल में भीड़ के बीच डीआईजी अशोक कुमार सिंह को भीड़ में फंसा छोड़ भागने वाले सात पुलिसकर्मियों को बर्खास्त किया गया था। इनमें से एक हेड कांस्टेबल पहले ही रिटायर हो चुका है। यह सभी पुलिस कर्मी बाद में कोर्ट चले गए थे। मैनाठेर बवाल के एक माह बाद डीआईजी की सुरक्षा में लगे पुलिस कर्मी निलंबित कर दिए गए थे। इसके बाद धारा 14(1) के तहत जांच तत्कालीन एसपी सिटी पीयूष श्रीवास्तव ने की थी। एसपी सिटी ने सशस्त्र पुलिस के हेड कांस्टेबल रमेश चंद्र, प्रदीप तोमर, कांस्टेबल दिलीप सिंह, विक्रम सिंह, ड्राइवर धर्मपाल और जयवीर सिंह की बर्खास्तगी की संस्तुति की थी। हेड कांस्टेबल रमेश चंद्र पहले ही सेवा निवृत्त हो गए थे। यह सभी पुलिस कर्मी बर्खास्तगी के खिलाफ कोर्ट चले गए थे। आईपीएस एसोसिएशन ने थी तत्कालीन सीएम शिकायत--मैनाठेर कांड में डीआईजी को हिंसक भीड़ के बीच छोड़ जाने के मामले में आईपीएस एसोसिएशन ने मुरादाबाद के तत्कालीन डीएम की शिकायत तत्कालीन मुख्यमंत्री से की थी। मैनाठेर बवाल ने ले लिया था सियासी रूप- मैनाठेर बवाल ने सियासी रूप लिया था। बवाल के बाद ही पूर्व मुख्यमंत्री मुलायम सिंह यादव ने मैनाठेर जाने का एलान कर दिया था। वह अगले दिन दिल्ली से मैनाठेर जाने के लिए रवाना हो गए थे लेकिन पुलिस ने उन्हें गाजियाबाद में रोक लिया था। वह सड़क पर ही अपने समर्थकों के साथ बैठ गए थे। इसके अलावा मैनाठेर क्षेत्र की सीमाएं सील कर दी थीं। नेताओं के मैनाठेर थाने पर रोक लगा दी थी। कई दिन तक क्षेत्र में तनाव के हालत बने रहे थे।तत्कालीन डीआईजी पर हमले में 16 लोग दोषी करार- मुरादाबाद जिले के करीब 15 साल पुराने बहुचर्चित मैनाठेर कांड में सोमवार को एडीजे-2 कृष्ण कुमार सिंह की अदालत ने फैसला सुनाया है। अदालत ने तत्कालीन डीआईजी अशोक कुमार सिंह पर हमले में 16 मुलजिमों को दोषी करार दिया है। इस मामले में चार आरोपियों की सुनवाई के दौरान मृत्यु हो चुकी है। अदालत 27 मार्च को दोषियों को सजा सुनाएगी।

संक्षिप्त समाचार

डिपो की खस्ताहाल सड़क हल्की बारिश में ही हुई जलमग्न

मुरादाबाद। शहर के रोडवेज बस स्टैंड स्थित मुरादाबाद डिपो में हल्की बारिश भी बड़ी समस्या बन रही है। बारिश होते ही डिपो परिसर में जलभराव हो जाता है, जिससे यात्रियों और

कर्मचारियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। वर्षों से जर्जर पड़ी डिपो की सड़क स्थिति को और गंभीर बना रही है। डिपो परिसर की सड़क लंबे समय से खस्ता हालत में है। जगह-जगह गहरे गड्ढे हो चुके हैं,जो बारिश के दौरान पानी से भर जाते हैं और दिखाई नहीं देते। ऐसे में अनजान यात्री इन गड्ढों में गिरकर चोटिल हो रहे हैं। खासकर बुजुर्ग,महिलाएं और बच्चे सबसे अधिक प्रभावित हो रहे हैं। स्थानीय लोगों और यात्रियों का कहना है। कि डिपो की सड़क मरम्मत को लेकर कई बार प्रस्ताव भेजे जा चुके हैं, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है। हर बारिश में यही स्थिति बन जाती है, जिससे लोगों में आक्रोश बढ़ रहा है।जल निकासी की समुचित व्यवस्था न होने के कारण थोड़ी सी बारिश में ही पानी जमा हो जाता है जो लंबे समय तक भरा रहता है। इससे न केवल आवागमन बाधित होता है,बल्कि गंदगी और फिसलन के कारण हादसों का खतरा भी बना रहता है। यात्रियों और रोडवेज कर्मचारियों ने संबंधित विभाग से जल्द सड़क का निर्माण कराने और जल निकासी व्यवस्था को दुरुस्त करने की मांग की है। क्षेत्रीय प्रबंधक अनुराग यादव ने बताया कि पहले भी कई प्रस्ताव भेज गए है जल्द ही उन प्रस्ताव को लेकर निदेशालय रिमांडर भेजा जाएगा और जल्द ही मरम्मत कराई जाएगी।

वक्फ संपत्तियों के ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन में पिछड़ा अल्पसंख्यक विभाग

जिले में वक्फ संपत्तियों के ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन का कार्य तय समय सीमा के बावजूद काफी पिछड़ा हुआ है। विभागीय अधिकारियों द्वारा लखनऊ स्तर पर कनेक्टिविटी फेल होने की बात कहकर जिम्मेदारी से पल्ला झाड़ा जा रहा है।सोमवार को प्रभारी जिला अल्पसंख्यक अधिकारी तूलिका शर्मा ने बताया कि जिले में कुल पांच हजार 859 वक्फ संपत्तियों का पंजीकरण किया जाना था,लेकिन पिछले नौ महीनों में केवल 2672 संपत्तियां ही विभागीय पोर्टल पर दर्ज हो सकी हैं। शेष संपत्तियों का रजिस्ट्रेशन लंबित है। सुन्नी सेंट्रल वक्फ बोर्ड एवं वक्फ न्यायाधिकरण लखनऊ के निर्देश पर अल्पसंख्यक विभाग को यह कार्य सौंपा गया था। प्रभारी जिला अल्पसंख्यक अधिकारी ने बताया कि पोर्टल पर कनेक्टिविटी कई-कई दिनों तक बाधित रहने से कार्य प्रभावित हो रहा है। पंजीकरण की अंतिम तिथि दिसंबर 2025 निर्धारित थी, जिसे बाद में न्यायाधिकरण के आदेश से बढ़ाकर जून 2026 कर दिया गया। अब समय सीमा में केवल तीन महीने शेष हैं, लेकिन तकनीकी समस्याओं के चलते लक्ष्य पूरा करने में दिक्कत हो रही है।

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच को जिला एवं तहसील स्तर पर ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन प्रतिनिधि चाहिए

9027776991

knlslive@gmail.com

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी, डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा

मो. 9027776991

RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

क्यूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

एक दिन की डीआईओएस बनी दिव्या, आत्मविश्वास और नेतृत्व का दिया संदेश

क्यूँ न लिखूँ सच / अरविंद कुमार / पीलीभीत। महिलाओं एवं बालिकाओं के सशक्तिकरण के उद्देश्य से चलाए जा रहे मिशन शक्ति अभियान के तहत जनपद में एक प्रेरणादायक पहल देखने को मिली। राजकीय बालिका इंटर कॉलेज (जीजीआईसी) पीलीभीत की कक्षा 12 की छात्रा दिव्या को एक दिन के लिए जिला विद्यालय निरीक्षक (डीआईओएस) बनाया गया। शासन के निर्देशानुसार आयोजित इस कार्यक्रम में छात्रा दिव्या ने डीआईओएस का दायित्व संभालते हुए शिक्षा विभाग के कार्यालय का निरीक्षण किया और विभिन्न पटलों के कार्यों की जानकारी ली। इस दौरान उन्होंने कर्मचारियों से संवाद कर कार्यप्रणाली को समझा और समस्याओं को भी सुना। जिला विद्यालय निरीक्षक राजीव कुमार ने बताया कि इस पहल का उद्देश्य बालिकाओं में आत्मविश्वास बढ़ाना और उन्हें प्रशासनिक जिम्मेदारियों से परिचित कराना है, ताकि वे भविष्य में बड़े पदों पर कार्य करने के लिए प्रेरित हो सकें। दिव्या ने अपने अनुभव साझा करते हुए कहा कि एक दिन के लिए डीआईओएस बनना उनके लिए गर्व का विषय है। यह अनुभव उनके जीवन में नई प्रेरणा लेकर आया है और आगे बढ़ने की दिशा में उन्हें मजबूत करेगा। उन्होंने इस अवसर के लिए उत्तर प्रदेश सरकार और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम के दौरान जीजीआईसी की प्रधानाचार्या अनीता देवी सहित शिक्षा विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे। यह पहल समाज में बेटियों के सशक्तिकरण का सकारात्मक संदेश दे रही है कि उचित अवसर मिलने पर बेटियां हर क्षेत्र में अपनी प्रतिभा का लोहा मनवा सकती हैं।

बरेली में मण्डल स्तरीय खादी सेमिनार का हुआ शुभारम्भ

खादी को आधुनिक फैशन से जोड़ने पर जोर 10 लाभार्थियों को वितरित की गई पॉपकॉर्न मशीन

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा /बरेली। उ0प्र0 खादी तथा ग्रामोद्योग बोर्ड द्वारा आयोजित मण्डल स्तरीय खादी सेमिनार का आज अर्बन हाट में शुभारम्भ किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन मा0 विधायक कैण्ट के प्रतिनिधि अरुण कश्यप ने फीता काटकर किया।

सेमिनार का मुख्य उद्देश्य खादी को पर्यावरण अनुकूल, स्वदेशी और सस्टेनेबल फैब्रिक के रूप में बढ़ावा देना है, साथ ही युवाओं को इसे आधुनिक फैशन का हिस्सा बनाने के लिए प्रेरित करना है। खादी फॉर फैशन-खादी फॉर नेशन थीम के तहत विशेषज्ञों ने खादी के महत्व और उसके बढ़ते उपयोग पर विस्तार से जानकारी दी।कार्यक्रम में फैशन डिजाइनिंग से जुड़े विशेषज्ञों और संस्थानों के प्रतिनिधियों ने युवाओं को खादी अपनाने के लिए जागरूक किया और आत्मनिर्भर भारत में इसकी भूमिका पर प्रकाश डाला। इस दौरान खादी नीति के अंतर्गत चयनित 10 लाभार्थियों को नि:शुल्क पॉपकॉर्न मेकिंग मशीनें भी वितरित की गईं, जिससे ग्रामीण स्वरोजगार को बढ़ावा मिलेगा। कार्यक्रम में ग्रामोद्योग विभाग के अधिकारी, कर्मचारी और बड़ी संख्या में स्थानीय लोग उपस्थित रहे।

27 मार्च को बरेली कॉलेज में लगेगा वृहद रोजगार मेला, 50+ कंपनियां देंगी नौकरी के अवसर

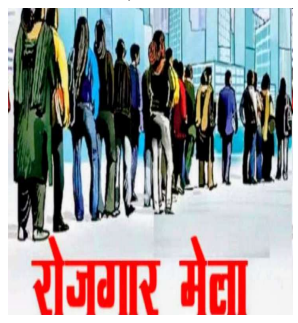

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। सूचना एवं जनसंपर्क विभाग के अनुसार, बरेली में युवाओं के लिए रोजगार का सुनहरा अवसर सामने आया है। क्षेत्रीय सेवायोजन कार्यालय, मॉडल कैरियर सेंटर और Bareilly College के संयुक्त तत्वाधान में 27 मार्च 2026 को प्रात: 10 बजे से एक दिवसीय वृहद रोजगार मेले का आयोजन किया जाएगा।

इस रोजगार मेले में निजी क्षेत्र की 50 से अधिक प्रतिष्ठित कंपनियां भाग लेंगी, जिनमें Vadilal Industries, V.L. Agro Industries Ltd, SRMS Trust, Mahindra & Mahindra, JK Tyre, Tata Motors, Krishna Maruti Ltd, Flipkart और Ashok Leyland जैसी प्रमुख कंपनियां शामिल हैं।

रोजगार मेले में भाग लेने के इच्छुक अभ्यर्थी सेवायोजन पोर्टल और एनसीएस पोर्टल पर पंजीकरण कर मेला आईडी 11711 पर आवेदन कर सकते हैं। जिन अभ्यर्थियों ने ऑनलाइन पंजीकरण नहीं किया है, उनके लिए मेले में हेल्पडेस्क की सुविधा उपलब्ध रहेगी, जहां वे ऑफलाइन फॉर्म भरकर भी शामिल हो सकते हैं।

मेले के व्यापक प्रचार-प्रसार के लिए जिले के विभिन्न कॉलेजों और मैनेजमेंट संस्थानों में कैरियर काउंसलिंग, पोस्टर और बैनर के माध्यम से युवाओं को जागरूक किया जा रहा है।

जनपद के सभी बेरोजगार युवक-युवतियों से अपील की गई है कि वे 27 मार्च को आयोजित इस रोजगार मेले में अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर इस अवसर का लाभ उठाएं। अधिक जानकारी के लिए दूरभाष संख्या 0581-3500514 पर संपर्क किया जा सकता है।

बरेली में सौ दिवसीय सघन टीबी अभियान का शुभारम्भ, 47 ग्राम पंचायतें हुईं सम्मानित

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। विश्व क्षयरोग दिवस के अवसर पर कलेक्ट्रेट सभागार में राष्ट्रीय क्षय रोग उन्मूलन कार्यक्रम के तहत सौ दिवसीय सघन टीबी अभियान का भव्य शुभारम्भ किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिलाधिकारी अविनाश सिंह ने की, जबकि बिथरी चैनपुर विधायक डॉ. राघवेन्द्र शर्मा विशेष रूप से मौजूद रहे।

कार्यक्रम के दौरान केंद्रीय रसायन एवं उर्वरक मंत्री जे.पी. नड्डा ने वर्चुअल माध्यम से अभियान का शुभारम्भ किया, जिसका लाइव प्रसारण उपस्थित जनप्रतिनिधियों व अधिकारियों ने देखा।

इस मौके पर जिलाधिकारी व मुख्य विकास अधिकारी द्वारा गोद लिए गए टीबी मरीजों को पोषण पोटली वितरित की गई। साथ ही टीबी मुक्त घोषित 47 ग्राम पंचायतों के ग्राम प्रधानों को गांधी जी की प्रतिमा व प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। इनमें 39 पंचायतों को कांस्य, 6 को सिल्वर और 2 को गोल्ड श्रेणी में सम्मान मिला।

विधायक डॉ. राघवेन्द्र शर्मा ने कहा कि सरकार का लक्ष्य भारत को टीबी मुक्त बनाना है। उन्होंने बताया कि टीबी पूरी तरह ठीक होने वाली बीमारी है, बशर्ते मरीज नियमित रूप से दवा लें और बीच में उपचार न छोड़ें। उन्होंने साफ-सफाई, संतुलित आहार और थूकने से बचने की अपील भी की।

जिलाधिकारी ने कहा कि टीबी हारेगा, देश जीतेगा के संकल्प के साथ अभियान को सफल बनाना है। उन्होंने ग्राम प्रधानों को बधाई देते हुए जनसहभागिता को अभियान की सफलता की कुंजी बताया।

मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. विश्राम सिंह ने जानकारी दी कि अभियान के तहत 60 वर्ष से अधिक आयु के लोग, पूर्व टीबी मरीज, कुपोषित व्यक्ति, धूम्रपान करने वाले, डायबिटीज मरीज सहित जोखिम समूहों की व्यापक स्क्रीनिंग की जाएगी। लक्षण मिलने पर जांच कर उपचार दिया जाएगा तथा जरूरत पड़ने पर टीबी प्रिवेंटिव थेरेपी भी उपलब्ध कराई जाएगी।

उन्होंने बताया कि टीबी मुक्त पंचायत घोषित करने के लिए सरकार द्वारा तय मानकों का पालन जरूरी है, जिसमें जांच दर, रोगियों की संख्या, उपचार सफलता दर और पोषण योजना का लाभ शामिल है।

कार्यक्रम में मुख्य विकास अधिकारी देवयानी, अपर निदेशक स्वास्थ्य, जिला पंचायत राज अधिकारी, ग्राम प्रधान व अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

अवैध कब्जा हटाने को सात दिनों की मोहलत, फिर चलेगा बुलडोजर, 300 मकानों पर लगे निशान

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। सीबीगंज में रामपुर रोड पर नगर निगम की जमीन पर अवैध कब्जा कर दुकानें बना ली गईं। नोटिस के बाद भी अतिक्रमणकारियों ने कब्जा नहीं हटाया। इस पर नगर निगम के संपत्ति अधिकारी ने उन्हें अंतिम नोटिस देकर सात दिन में अवैध कब्जा हटाने को कहा गया है। अवैध कब्जा न हटाने पर नगर निगम की टीम दुकानों को ध्वस्त करेगी। वहीं खलीलपुर रोड किनार बने करीब तीन सौ मकानों को पूर्व में दिए गए नोटिस व लाल निशान लगाए जाने के बावजूद भी अतिक्रमण नहीं हटाया गया। यहां टीम मंगलवार को फिर जांच करने पहुंची।

लोगों से जमीन संबंधी कागजात मांगे हैं। सीबीगंज में रामपुर रोड का चौड़ाकरण होना है।

इस कार्य में अतिक्रमण बाधा बन रहा है। नगर निगम के संपति अधिकारी ने आयुष गुप्ता, अमित गुप्ता को दिए गए नोटिस में बताया है कि गाटा संख्या 128 पर राजस्व भूचित्र अनुसार 55 मीटर चौड़ाई पर मानचित्रकार द्वारा अपनी जांच में पाया था कि उक्त लोगों ने सरकारी जमीन पर टिन शेड डालकर अवैध कब्जा कर लिया है। पूर्व में दिए नोटिस के बावजूद भी उक्त अतिक्रमण को न हटाकर मात्र अस्थायी अतिक्रमण हटाया गया है। इन लोगों ने भी कर रखा है अवैध कब्जा - इसी तरह सौरभ गुप्ता, गौरभ गुप्ता ने सरकारी जमीन पर अवैध कब्जा कर टिनशेड डालकर व लोहे का जीना बनाकर अवैध कब्जा कर रखा है। पूर्व में कई बार नोटिस देने के बावजूद अतिक्रमण को न हटाकर मात्र अस्थायी अतिक्रमण हटाया गया है। तीन मीटर जमीन पर अभी अतिक्रमण है। इसी तरह अन्य का भी सात दिन में अतिक्रमण नहीं हटाने पर टीम उसे ध्वस्त करेगी।

मिशन शक्ति 5.0 के तहत बालिकाओं के स्वास्थ्य व हाइजीन पर ओरिएंटेशन, एकल कन्या अभिभावकों का हुआ सम्मान

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली । राज्य महिला आयोग की सदस्या पुष्पा पांडे की अध्यक्षता में मिशन शक्ति 5.0 (द्वितीय चरण) अभियान एवं बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ योजना के अंतर्गत एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान बालिकाओं के समुचित स्वास्थ्य एवं हाइजीन पर ओरिएंटेशन कार्यक्रम आयोजित किया गया, साथ ही एकल कन्या अभिभावक सम्मान समारोह भी संपन्न हुआ।

कार्यक्रम में जिला प्रोबेशन अधिकारी मोनिका राणा, नारी शरणालय की सहायक अधीक्षिका छाया बड़वल, कविता नर्स, सहायक अध्यापिका निधि सक्सेना, जिला मिशन कोऑर्डिनेटर रिंकी सैनी, केंद्र प्रबंधक चंचल गंगवार, काउंसलर रसना गुप्ता सहित बड़ी संख्या में किशोरियां एवं महिलाएं उपस्थित रहीं।

कार्यक्रम की शुरुआत में जिला प्रोबेशन अधिकारी द्वारा माननीय सदस्या का शॉल ओढ़ाकर स्वागत किया गया एवं स्मृति चिन्ह के रूप में घड़ी भेंट की गई। इसके पश्चात श्रीमती छाया बड़वल द्वारा लाइव प्लांट भेंट कर उनका अभिनंदन किया गया। इस अवसर पर जिला प्रोबेशन अधिकारी ने किशोरियों एवं महिलाओं को व्यक्तिगत स्वच्छता और हाइजीन के प्रति जागरूक किया। वहीं, माननीय सदस्या श्रीमती पुष्पा पांडे ने अपने प्रेरणादायक विचारों से सभी को संबोधित करते हुए बालिकाओं के सशक्तिकरण पर जोर दिया।

कार्यक्रम के अंत में सभी किशोरियों एवं महिलाओं को सैनेट्री पैड वितरित किए गए तथा रिफ्रेशमेंट प्रदान किया गया। साथ ही, एकल कन्या अभिभावक सम्मान समारोह के अंतर्गत तीन अभिभावकों को स्मृति चिन्ह एवं मिष्ठान देकर सम्मानित किया गया।

प्रिय सुधि पाठको आप अपना यहाँ शुभकामना सन्देश (Birthday, anniversary, any kind of message) कम कीमत में विज्ञापन छपवाए - 9027776991

संक्षिप्त समाचार

26 मार्च को गांधी स्टेडियम में रोजगार मेला, युवाओं को मिलेगा सुनहरा अवसर

क्यूँ न लिखूँ सच / अरविंद कुमार / पीलीभीत। जनपद के बेरोजगार युवक-युवतियों के लिए राहत भरी खबर है। शासन के निर्देशों के क्रम में उत्तर प्रदेश सरकार के नवनिर्माण के 9 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर 26 मार्च 2026 को एक दिवसीय रोजगार मेले का आयोजन किया जा रहा है। जिला सेवायोजन अधिकारी ने जानकारी देते हुए बताया कि यह रोजगार मेला प्रात: 10 बजे से गांधी स्टेडियम, पीलीभीत में आयोजित होगा। इस मेले का आयोजन जिला सेवायोजन कार्यालय, मॉडल करियर सेंटर, राजकीय पॉलिटेक्निक एवं राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, पीलीभीत के संयुक्त तत्वावधान में मिशन रोजगार अभियान के अंतर्गत किया जा रहा है। मेले में टेक्निकल, नॉन-टेक्निकल एवं डिप्लोमा धारक अभ्यर्थी प्रतिभाग कर सकते हैं। इच्छुक युवक-युवतियों को अपने समस्त शैक्षिक प्रमाण पत्रों की छायाप्रतियां, दो पासपोर्ट साइज फोटो तथा बायोडाटा की दो प्रतियों के साथ उपस्थित होना होगा।साक्षात्कार के लिए अभ्यर्थियों की आयु सीमा 18 से 26 वर्ष एवं 21 से 40 वर्ष निर्धारित की गई है। प्रशासन ने अधिक से अधिक युवाओं से रोजगार मेले में प्रतिभाग कर इस अवसर का लाभ उठाने की अपील की है।

तापमान में उतार-चढ़ाव से बढ़ रही है हड्डी, जोड़ों में दर्द की परेशानी

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। बीते करीब 10 दिन से मौसम में हो रहे बदलाव और तापमान में जारी उतार-चढ़ाव से हड्डी- जोड़ों में दर्द की परेशानी बढ़ गई है। मंगलवार को जिला अस्पताल की वीडियो में हड्डी रोग विशेषज्ञ चिकित्सक को दिखाने के लिए मरीजों की लंबी लाइन लगी रही। अधिकांश मरीज हड्डी, जोड़ों में अकड़न, दर्द से पीड़ित रहे। मरीजों में बुजुर्गों की संख्या अधिक रही। अस्पताल के हड्डी रोग विशेषज्ञ डॉक्टर दिनेश गंगवार ने बताया कि पुरानी चोट या ऑपरेशन के साथ ही गठिया के मरीजों को इस मौसम में समस्या हो सकती है।

सरनिया गांव में चले लाठी-डंडे और पत्थर प्रेम प्रसंग का मामला

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। सीबीगंज थाना क्षेत्र का सरनिया गांव एक ही समुदाय के दो गुटों के बीच झड़प के बाद जंग का अखाड़ा बन गया। दोनों तरफ खूब लाठी डंडे और ईट पत्थर चले। पूरे मामले से जुड़ा वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। जिसमें कुछ युवक छत से पथराव करते नजर आए। बताया जा रहा है कि युवक और युवती के बीच प्रेम प्रसंग के विवाद ने देखते ही देखते हिंसा का रूप ले लिया।

मामला सीबीगंज थाना क्षेत्र के सरनिया गांव का है। मंगलवार की सुबह दो पक्षों में युवक और युवती के बीच चल रहे प्रेम प्रसंग को लेकर विवाद हो गया। दोनों पक्षों के बीच तीखी बहस और नोक झोंक हुई। विवाद इतना बड़ा कि दोनों ही पक्षों ने ईंट-पत्थर और लाठी डंडे उठा लिए। कुछ युवक मकानों की छत पर खड़े होकर पथराव करते लगे। घटना के बाद पूरे इलाके में अफरा-तफरी का माहौल हो गया। दोनों पक्षों की तरफ से कई लोग इस हिंसा में घायल हुए। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया था।

एक अप्रैल से कई लेनदेन और कर छूट में अनिवार्य होगा पैन कार्ड

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। पहली अप्रैल से आयकर से जुड़े कई नए नियम लागू होने जा रहे हैं, जिनका सीधा असर वेतन भोगियों, मध्यम वर्ग और कारोबारियों पर पड़ेगा। केंद्र सरकार की तरफ से आयकर व्यवस्था को अधिक पारदर्शी और डिजिटल बनाने के उद्देश्य से पैन की अनिवार्यता कई लेनदेन और कर छूट मामलों में बढ़ाई जा रही है। जानकारी के अनुसार अब कई स्थितियों में पैन (परमानेंट अकाउंट नम्बर) देना जरूरी होगा। अगर कोई व्यक्ति पुरानी कर व्यवस्था के तहत मकान किराया (एक लाख रुपये से अधिक सालाना) पर छूट लेता है, तो मकान मालिक का पैन देना अनिवार्य होगा। इसके अलावा होम लोन और एलटीसी जैसे दावों में भी पैन की अनिवार्यता लागू की गई है। नए प्रावधानों के तहत पांच लाख रुपये से अधिक के वाहन खरीद पर पैन देना जरूरी होगा।

बरेली में देह व्यापार गैंग का पर्दाफाश, सरगना समेत 4 गिरफ्तार

थाना किला पुलिस की बड़ी कार्रवाई, बाकरगंज क्षेत्र में चल रहा था अवैध धंधा

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा /

बरेली । थाना किला क्षेत्र में पुलिस ने देह व्यापार के एक संगठित गैंग का भंडाफोड़ करते हुए सरगना सहित चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई 23 मार्च 2026 को मुखबिर की सूचना के आधार पर की गई।

पुलिस को सूचना मिली थी कि बाकरगंज चौकी क्षेत्र में साबरी मस्जिद के पास स्थित एक मकान में गुडिया नाम की महिला लड़कियों को देह व्यापार के लिए प्रेरित कर अवैध गतिविधियां चला रही है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने मौके पर दबिश दी और चार लोगों को रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया।गिरफ्तार आरोपियों में गैंग की सरगना गुडिया, कोमल उर्फ स्वाति कश्यप, मोनिश और चांद शामिल हैं। पुलिस के अनुसार, गुडिया अपने मकान में कमरा, बेड और अन्य सुविधाएं उपलब्ध कराकर इस अवैध धंधे को संचालित कर रही थी और ग्राहकों से 500 से 1000 रुपये प्रति घंटे वसूलती थी।

पूछताछ में खुलासा हुआ कि आरोपियों को व्हाट्सएप के जरिए बुलाया जाता था और मौके पर ही पैसे का लेन-देन होता था। एक आरोपी ने बताया कि उसने 2000 रुपये का भुगतान किया था।

मौके से पुलिस ने 20 कंडोम पैकेट, दवाइयां और अन्य आपत्तिजनक सामग्री भी बरामद की है।

इस मामले में थाना किला में अनैतिक व्यापार (निवारण) अधिनियम 1956 की धारा 3/4/5/6 के तहत मुकदमा दर्ज कर लिया गया है और आगे की कानूनी कार्रवाई जारी है।

पुलिस अधिकारियों का कहना है कि जनपद में अपराध और अपराधियों के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा और ऐसे अवैध कार्यों में संलिप्त लोगों पर सख्त कार्रवाई की

थ्रीडॉट्स स्कूल में धूमधाम से मनाई गई अपग्रेड सेरेमनी

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। प्रेमनगर स्थित श्रीकृष्ण लीला कॉम्पलेक्स में संचालित थ्री डॉट्स स्कूल में मंगलवार को अपग्रेड सेरेमनी का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में नन्हे-मुन्ने बच्चों ने रंगारंग प्रस्तुतियों से सभी का मन मोह लिया।

समारोह की शुरुआत सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ हुई, जिसमें बच्चों ने नृत्य और नाटिका के माध्यम से अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया। नृत्य-नाटिका में गणेश जी की भूमिका में वात्सल्य शर्मा ने सभी का दिल जीत लिया, वहीं शंकर के रूप में शौर्य बंसल और युवांश सहित अन्य बच्चों ने अपनी आकर्षक प्रस्तुति से कार्यक्रम में समां बांध दिया।

कार्यक्रम के दौरान स्कूल के प्रबंधक सौरभ मेहरोत्रा ने प्रतिभागी बच्चों को पुरस्कृत कर उनका उत्साहवर्धन किया। उन्होंने बच्चों की मेहनत और शिक्षकों के प्रयासों की सराहना की।

इस अवसर पर दिव्या भाटिया, कविता आनंद, छवि कपूर, कविता अग्रवाल और निहारिका मेहरोत्रा सहित स्कूल स्टाफ का विशेष सहयोग रहा।

समारोह में अभिभावकों की भी अच्छी खासी उपस्थिति रही, जिन्होंने बच्चों की प्रस्तुतियों की सराहना करते हुए कार्यक्रम का भरपूर आनंद लिया।

शहीदों की प्रतिमाएं तोड़ने पर उबाल: शाहजहांपुर में कांग्रेस-सपा ने जताया विरोध, हिंदू संगठन ने फूंका पुतला

शाहजहांपुर के नगर निगम कार्यालय परिसर में लगी अमर शहीदों की प्रतिमाएं तोड़े जाने से लोगों में रोष है। इस पर कांग्रेस और सपा ने कड़ा विरोध जताया है। कांग्रेस के नेताओं ने मंगलवार को नगर निगम में धरना प्रदर्शन किया और शाहजहांपुर में काकोरी केस के जाने के विरोध में मंगलवार को कांग्रेस के नेताओं और कार्यकर्ताओं जताया। इस घटना पर सपा ने भी कांग्रेस के पदाधिकारी के नारेबाजी धरने पर बैठ गए। सभी ने जमकर के अफसर वार्ता करने के लिए वापस होना पड़ा। इसके बाद पत्र लिया। मांग पत्र में संबंधित ओर सपा के जिला अध्यक्ष तनवीर प्रसाद ने भी विरोध जताया। हिंदू हिंदू संगठन ने नगर निगम का पूरे प्रकरण पर डीएम धर्मेंद्र प्रताप हटाने और संबंधित पर केस दर्ज ही सुपरविजन करने वाले नगर विभागीय कार्रवाई के लिए कहा गया है।

संबंधित पर कार्रवाई की मांग की। अमर शहीदों की प्रतिमाएं तोड़े विरोध के स्वर बुलंद हो गए। ने नगर निगम में धरना देकर विरोध नाराजगी जताई है। सुबह दस बजे करते हुए नगर निगम में पहुंचे और नारेबाजी की। इस बीच नगर निगम पहुंचे तो उन्हें विरोध के चलते नायब तहसीलदार ने पहुंचकर मांग पर कार्रवाई की मांग की गई। दूसरी खान और पूर्व एमएलसी जयेश संगठन ने भी किया विरोध प्रदर्शन पुतला जलाकर विरोध दर्ज कराया। सिंह ने बताया कि फर्म को तुरंत कराने के लिए निर्देश दिए हैं। साथ निगम के अफसरों के खिलाफ

गैंगस्टर में नपे पूर्व MLC कमलेश पाठक; कोर्ट ने सुनाई छह साल की सजा, अन्य आठ को पांच साल का कारावास

नारायणपुर दोहरे हत्याकांड के मुख्य आरोपी पूर्व एमएलसी कमलेश पाठक को गैंगस्टर एक्ट में छह साल की सजा सुनाई गई है। कोर्ट ने उनके भाई संतोष और रामू पाठक समेत आठ अन्य को पांच-

पांच साल की सजा देते हुए जेल भेज दिया है।औरैया जिले के बहुचर्चित दोहरे हत्याकांड के मुख्य आरोपी पूर्व एमएलसी कमलेश पाठक को गैंगस्टर एक्ट में एमपी-एमएलए कोर्ट ने छह साल की सजा सुनाई है। अन्य आठ दोषियों को पांच-पांच साल की सजा सुनाई है, जबकि गनर अवनीश प्रताप को दोषमुक्त कर दिया। पूर्व एमएलसी पर एक लाख व अन्य सभी पर 50-50 हजार का जुर्माना भी लगाया गया है। जुलाई 2020 में पुलिस ने गैंगस्टर की कार्रवाई की थी।सुनवाई के दौरान सभी आरोपियों को अलग-अलग जेलों से कोर्ट में लाकर पेश किया गया। सजा सुनाने के बाद सभी दोषियों को वापस जेल भेज दिया गया। शहर के मोहल्ला नारायनपुर स्थित पंचमुखी मंदिर परिसर में 15 मार्च 2020 को हुए दोहरे हत्याकांड में पूर्व एमलएसी कमलेश पाठक समेत 11 को आरोपी बनाया गया था। इस वारदात के बाद 11 जुलाई 2020 को तत्कालीन कोतवाल ने सभी आरोपियों के खिलाफ गैंगस्टर एक्ट के तहत प्राथमिकी दर्ज की थी।पूर्व एमएलसी कमलेश पाठक समेत नौ को सुनाई सजा- 11 में एक आरोपी किशोर था, उसकी सुनवाई किशोर न्याय बोर्ड में चल रही है।गैंगस्टर मामले में फरवरी में ही लगभग सुनवाई पूरी हो चुकी थी, लेकिन आरोपी गनर अवनीश सिंह ने प्रार्थना पत्र देकर अपना पक्ष रखने के लिए समय मांग लिया। इसके चलते सुनवाई आगे बढ़ गई थी। मंगलवार को एमपी एमएलए कोर्ट ने सुनवाई पूरी होने के बाद फैसला सुनाया। इसमें सपा के पूर्व एमएलसी कमलेश पाठक समेत नौ को सजा सुनाई है।इन दोषियों को सुनाई गई सजा- इसमें कमलेश पाठक को छह साल की सजा और आठ अन्य को पांच-पांच साल की सजा सुनाई। सभी आरोपियों को सजा सुनाने के लिए अलग-अलग जेलों से लाकर न्यायालय में पेश किया गया। कमलेश पाठक जहां आगरा की जेल में हैं, तो वहीं अन्य अलग-अलग जेलों से लाए गए। सजा सुनाने के बाद सभी को वापस जेल भेज दिया गया। पूर्व एमएलसी कमलेश पाठक, उनके भाई संतोष पाठक व रामू पाठक के अलावा कुलदीप अवस्थी, विकल्प अवस्थी, राजेश शुक्ल, शिवम अवस्थी, आशीष दुबे और रविंद्र उर्फ लाला चौबे शामिल हैं।

मां गेम खेलने से मना कर रही इसलिए मरने जा रहा... हथेली पर लिखकर युवक ने की खुदकुशी

मऊ जिले के दोहरीघाट कस्बे में एक युवक ने फंदे से लटककर जान दे दी। उसने हथेली पर लिखा कि मां गेम खेलने से मना कर रहीं इसलिए मरने का प्रयास कर रहा हूं। गेम की लत से एक और युवा ने जान गंवा दी। मां मना किया तो दोहरीघाट जितेंद्र साहनी (22) ने आत्महत्या कर ली। गेम बाद से परिजन नाराज रहते जितेंद्र ने अपनी हथेली गेम खेलने से मना कर मरने की कोशिश कर रहा

ने गेम खेलने से कस्बा निवासी फंदे से लटककर में पैसा हारने के थे। मरने से पहले पर लिखा कि मां रही है, इसलिए हूं। सूचना पर पहुंची पुलिस और फॉरेंसिक टीम ने शव को जिला अस्पताल भेजा। जितेंद्र ने कुछ दिन पहले ही कक्षा 12वीं की बोर्ड परीक्षा दी थी। घर पर मां और छोटी बहन के साथ रहता था। क्या है पूरा मामला- मां शिवकुमारी ने बताया कि बेटा दिनभर घूमता और पबजी गेम खेलता रहता था। पढ़ाई के लिए बोलती तो बाहर चला जाता। लेकिन क्या पता था कि गेम खेलने पर पाबंदी लगाना घातक साबित हो जाएगा। सोमवार की दोपहर भी उन्होंने गेम खेलने से मना किया तो वह बाहर चला गया। शाम को घर पहुंचा तो बिना किसी से बात किए सीधे अपने कमरे में चला गया। दरवाजा खटखटाने पर नहीं निकला बाहर तो हुई शंका-कमरे में उसने फंदे से लटककर खुदकुशी कर ली। काफी समय बीतने के बाद भी जितेंद्र खाना खाने कमरे से बाहर नहीं निकला तो मां और छोटी बहन को चिंता हुई। दरवाजा खटखटाया, लेकिन अंदर से कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली। रोशनदान से झांककर देखा तो जितेंद्र का शव फंदे से लटक रहा था। दृश्य देख मां- बेटी चीखने चिल्लाने लगीं। शोर सुनकर मोहल्ले के लोग भी पहुंच गए और पुलिस को सूचना दी। हाथ पर लिखे शब्द देख दंग रह गए लोग- दोहरीघाट थाना प्रभारी निरीक्षक संजय कुमार त्रिपाठी फॉरेंसिक टीम के साथ मौके पर पहुंचे और दरवाजा तोड़कर शव उतारा। हाथ पर कुछ शब्द लिखे थे, जिसे पढ़कर वहां मौजूद सभी हैरान रह गए। उसने हाथ पर लिखा था कि मां पबजी खेलने से मना कर रही थी, मरने की कोशिश कर रहा हूं। जितेंद्र दो भाई, एक बहन में दूसरे नंबर का था। पिता राजेश साहनी कुछ दिन पहले ही रोजी रोटी की तलाश में हैदराबाद गए हैं और बड़ा भाई विदेश में रहता है।पुलिस बोली- तहरीर में परिवार ने बताया है कि जितेंद्र दिनभर पबजी गेम खेलता रहता था। मना करने पर घर से निकल जाता था। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। -संजय कुमार त्रिपाठी, थाना प्रभारी निरीक्षक, दोहरीघाट

संक्षिप्त समाचार

केसीसी से 1.43 लाख का लिया था ऋण, जमा न कर पाने पर खेत कुर्क; फसल काटने पर भी रोक की चेतावनी

अंबेडकरनगर में किसान द्वारा केसीसी से 1.43 लाख का ऋण जमा न कर पाने पर उसका खेत कुर्क कर दिया गया। फसल काटने पर भी रोक लगाने की चेतावनी दी गई है। यूपी के अंबेडकरनगर में किसान क्रेडिट कार्ड का बकाया ऋण जमा न करने पर किसान की कृषि भूमि कुर्क कर दी गई। यही नहीं रकम जमा न होने पर फसल काटने पर भी रोक लगाने की चेतावनी दी है। मामला जहांगीरगंज थाना क्षेत्र के बरईपुर चहोड़ा गांव का है। बरईपुर चहोड़ा गांव निवासी रामप्रसाद ने वर्ष 2013 में उत्तर प्रदेश ग्रामीण बैंक की चहोंड़ा शाहपुर शाखा से 1.43 लाख रुपये का ऋण लिया था। समय पर भुगतान न होने के कारण ब्याज सहित यह राशि बढ़कर करीब 2 लाख 64 हजार रुपये हो गई। बैंक की ओर से कई बार नोटिस भेजा गया। लोक अदालत के माध्यम से भी भुगतान का अवसर दिया गया। इसके बावजूद किसान ने बकाया धनराशि जमा नहीं की। इसके बाद एसडीएम आलापुर सुभाष सिंह ने कुर्की की कार्रवाई का आदेश जारी किया। मंगलवार को शाखा प्रबंधक विक्रांत सिंह, सहायक प्रबंधक मुकेश कुमार, लेखपाल दयानंद, अमीन अच्छे लाल समेत अन्य अधिकारियों और पुलिस बल की मौजूदगी में जमीन कुर्क की गई।

जयंत चौधरी को हत्या की धमकी मिलने पर भड़के नरेश टिकैत, गैस की किल्लत पर बोले देश में आपात जैसे हालात

बागपत में किसान नेता नरेश टिकैत ने जयंत चौधरी को मिली धमकी पर कड़ी प्रतिक्रिया दी और गैस किल्लत को आपात जैसे हालात बताते हुए सावधानी बरतने की अपील की।बागपत के दोघट कस्बे में पहुंचे किसान नेता नरेश टिकैत ने जयंत चौधरी को दी गई धमकी पर कड़ी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने साफ कहा कि ऐसी हरकत किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं की जाएगी।दोघट कस्बे में पत्रकारों से बातचीत के दौरान नरेश टिकैत ने कहा कि जयंत चौधरी को दी गई किसी भी तरह की धमकी अस्वीकार्य है। उन्होंने प्रशासन से मांग की कि धमकी देने वालों के खिलाफ तुरंत और सख्त कार्रवाई की जाए, ताकि भविष्य में कोई इस तरह की कोशिश न करे।टिकैत ने कहा कि लोकतंत्र में इस तरह की घटनाएं ठीक नहीं हैं और कानून व्यवस्था बनाए रखना प्रशासन की जिम्मेदारी है।गैस किल्लत पर जताई चिंता - इस दौरान उन्होंने देश में बढ़ रही गैस किल्लत को लेकर भी चिंता जताई। उन्होंने इसे आपात जैसे हालात बताते हुए लोगों से अपील की कि गैस का इस्तेमाल सोच-समझकर करें। उन्होंने कहा कि जरूरत पड़ने पर लकड़ी और अन्य वैकल्पिक साधनों का उपयोग किया जाना चाहिए, ताकि गैस की खपत को कम किया जा सके। कालाबाजारी पर सख्ती की मांग- नरेश टिकैत ने गैस की कालाबाजारी और ब्लैक मार्केटिंग पर भी सख्त कार्रवाई की मांग की। उनका कहना है कि इस समस्या से निपटना केवल सरकार की ही नहीं, बल्कि आम जनता की भी जिम्मेदारी है। उन्होंने सभी से सहयोग की अपील करते हुए कहा कि संसाधनों का सही उपयोग ही संकट से बाहर निकलने का रास्ता है।

कोर्ट का आया फैसला, बागला डिग्री कॉलेज के प्रोफेसर डॉ रजनीश यौन शोषण के आरोप से बरी

15 मार्च 2024 को प्रोफेसर के खिलाफ यौन शोषण के आरोप में मुकदमा दर्ज हुआ था। 21 मार्च को उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया था। प्रकरण साल भर चर्चाओं में रहा।पिछले एक साल से चर्चाओं में रहे प्रोफेसर कांड में 24 मार्च को हाथरस की एडीजे एफटीसी कोर्ट प्रथम ने अपना फैसला सुनाया। कोर्ट ने बागला डिग्री कॉलेज के चीफ प्रोक्टर प्रोफेसर डा. रजनीश को यौन शोषण के आरोपों से दोष मुक्त कर दिया है। फैसला आने के बाद डा. रजनीश व उनके शुभचिंतकों ने राहत की सांस ली। बता दें क 15 मार्च 2024 को प्रोफेसर के खिलाफ यौन शोषण के आरोप में मुकदमा दर्ज हुआ था। 21 मार्च को उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया था। प्रकरण साल भर चर्चाओं में रहा।

प्रतिनिधि मंडल पूर्व विधायक श्विजय सिंह के नाला मछरट्टा स्थित आवास पर पहुंचा

क्यूँ न लिखूँ सच /श्याम जी कश्यप / फर्रुखाबाद– सपा सुप्रीमो श्री अखिलेश यादव जी के निर्देशानुसार प्रदेश अध्यक्ष द्वारा गठित प्रतिनिधि मंडल आज पूर्व विधायक श्री विजय सिंह के नाला मछरट्टा स्थित आवास पर पहुंचा। प्रतिनिधि मण्डल ने मौके पर पाया कि पूर्व विधायक के आवास को पुलिस ने सील कर दिया है, रोजमर्रा की जरूरत का सामान कपड़े आदि भी परिवार को निकालने नहीं दिए गए, पूर्व विधायक की पत्नी पूर्व पालिका अध्यक्ष श्रीमती दमयंती सिंह लखनऊ में अपने घायल बेटों का इलाज करा रही हैं।

इस मौके पर जिला अध्यक्ष श्री चंद्रपाल सिंह यादव ने कहा कि पीड़ित परिवार के साथ अन्याय हुआ है पुलिस ने बिना जांच किए ही मुकदमा दर्ज कर लिया है उनका घर सील कर दिया है कपड़े जरूरत के समान आदि के लिए भी उन्हें मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है यह सरासर अन्याय है। प्रदेश नेतृत्व को पूरे घटनाक्रम की जानकारी से अवगत कराया जाएगा।

इस दौरान पूर्व विधायक जमालुद्दीन सिद्दीकी, पूर्व विधायक श्रीमती उर्मिला राजपूत, प्रदेश सचिव/पूर्व लोकसभा प्रत्याशी डॉ0 नवल किशोर शाक्य, प्रदेश सचिव/ पूर्व विधानसभा प्रत्याशी अमृतपुर डॉ0 जितेंद्र सिंह यादव, प्रदेश सचिव एवं पूर्व प्रत्याशी कायमगंज सर्वेश अंबेडकर, महानगर अध्यक्ष राघव दत्त मिश्रा मौजूद रहे।

साथ में जिला महासचिव इलियास मंसूरी, जिला उपाध्यक्ष बृजेश पाल, जिला पंचायत सदस्य नरेंद्र शाक्य, जिला सचिव विनीत परमार, राजपाल यादव प्रदेश उपाध्यक्ष समाजवादी छात्रसभा आदि पदाधिकारी साथी मौजूद रहे।

अज्ञात बदमाशों ने धारदार हथियार से गला रेतकर की हत्या

क्यूँ न लिखूँ सच /श्याम जी कश्यप /फर्रुखाबाद– जनपद के मोहम्मदाबाद कोतवाली क्षेत्र के गैसिंहपुर गांव में सोमवार रात एक दिल दहला देने वाली वारदात सामने आई है। यहाँ घर के बाहर चारपाई पर सो रहे एक 32 वर्षीय युवक की अज्ञात बदमाशों ने धारदार हथियार से गला रेतकर हत्या कर दी। मंगलवार सुबह जब परिजनों ने खून से लथपथ शव देखा तो घर में कोहराम मच गया। इस जघन्य हत्याकांड के बाद से पूरे गांव में दहशत और पुलिस के खिलाफ आक्रोश का माहौल है। नींद में ही उतार दिया मौत के घाट– पुलिस सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, गैसिंहपुर गांव निवासी 32 वर्षीय लखन कश्यप सोमवार की रात रोजमर्रा की तरह अपने घर के बाहर चारपाई पर सो रहा था, जबकि परिवार के अन्य सदस्य घर के अंदर कमरों में सो रहे थे। देर रात सन्नाटे का फायदा उठाते हुए अज्ञात हमलावर मौके पर पहुंचे और सोते समय ही लखन के गले पर किसी धारदार हथियार से जानलेवा वार कर दिया। हमला इतना अचानक और घातक था कि लखन को चीखने या संभलने तक का मौका नहीं मिला और उसने मौके पर ही दम तोड़ दिया।

बहन की चीख सुनकर इकट्ठा हुआ गांव– मंगलवार सुबह जब लखन की बहन घर से बाहर निकली, तो चारपाई पर भाई का खून से सना शव देखकर उसकी चीख निकल गई। चीख–पुकार सुनकर परिजन और आस–पड़ोस के लोग दौड़ पड़े। देखते ही देखते घटनास्थल पर ग्रामीणों की भारी भीड़ जमा हो गई। जवान बेटे का शव देखकर परिजनों का रो–रोकर बुरा हाल है। मृतक के पिता ने पुलिस को बताया कि वे रात में अंदर सो रहे थे और उन्हें बाहर हुई इस खौफनाक घटना की कोई भनक तक नहीं लगी। फॉरेंसिक टीम ने जुटाए सुराग, एएसपी ने किया मुआयना– हत्या की सूचना मिलते ही मोहम्मदाबाद कोतवाली पुलिस में हड़कंप मच गया। क्षेत्राधिकारी और अपर पुलिस अधीक्षक (ASP) अरुण कुमार सिंह दलबल के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने घटनास्थल का बारीकी से मुआयना किया और शव का पंचनामा भरकर उसे पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मामले की गंभीरता को देखते हुए फौरन फॉरेंसिक टीम को भी मौके पर बुलाया गया, जिसने घटनास्थल से कई अहम साक्ष्य (सबूत) एकत्र किए हैं। पुरानी रंजिश के एंगल से पुलिस कर रही जांच– पुलिस अधिकारी इस हत्याकांड को प्रथम दृष्टया हत्या का स्पष्ट मामला मान रहे हैं। पुलिस गांव की पुरानी रंजिश, व्यक्तिगत विवाद और अन्य सभी संभावित एंगल्स को ध्यान में रखकर जांच को आगे बढ़ा रही है। आसपास के लोगों से भी सघन पूछताछ की जा रही है। ग्रामीणों ने दी आंदोलन की चेतावनी इस सनसनीखेज वारदात के बाद गांव वालों में भारी रोष है। ग्रामीणों ने प्रशासन को चेतावनी दी है कि यदि जल्द ही हत्यारों की पहचान कर उनकी गिरफ्तारी नहीं की गई, तो वे सड़कों पर उतरकर आंदोलन करने को मजबूर होंगे। वहीं, पुलिस का दावा है कि कुछ अहम सुराग हाथ लगे हैं और जल्द ही इस हत्याकांड का पर्दाफाश कर दिया जाएगा।

संक्षिप्त समाचार

मधुमक्खी पालन सेमीनार में दी तकनीकी एवं व्यावहारिक जानकारी, 300 से अधिक कृषकों ने लिया लाभ

क्यूँ न लिखूँ सच / राजकुमार शर्मा (कटारे)/ शिवपुरी, मध्यप्रदेश राज्य उद्यानिकी मिशन के अंतर्गत राष्ट्रीय मधुमक्खी पालन एवं शहद योजना के तहत जिला स्तरीय मधुमक्खी पालन सेमीनार का आयोजन कृषि विज्ञान केन्द्र, पिपरसमां शिवपुरी में किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में भारतीय किसान संघ जिला शिवपुरी के अध्यक्ष बृजेश धाकड़ एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में ग्राम पंचायत रातौर के मांगीलाल धाकड़ उपस्थित रहे। मुख्य अतिथि श्री धाकड़ ने अपने संबोधन में मधुमक्खी पालन को ग्रामीण कुटीर उद्योग के रूप में स्वरोजगार का सशक्त माध्यम बताते हुए कहा कि यह व्यवसाय ग्रामीण पलायन को रोकने में भी सहायक सिद्ध हो सकता है। उन्होंने कृषकों एवं युवाओं से प्रशिक्षण प्राप्त कर इस क्षेत्र में आगे बढ़ने का आवाहन किया।

सेमीनार में विशेषज्ञों द्वारा मधुमक्खी पालन की उन्नत तकनीकों एवं व्यावहारिक पहलुओं की विस्तृत जानकारी दी गई। इस दौरान कृषि विज्ञान केन्द्र मुरैना की डॉ. स्वाति सिंह तोमर एवं जे.सी. गुप्ता तथा पंजाब राज्य के अनुभवी कीटशास्त्री सुधीर सक्सेना द्वारा मधुमक्खी पालन की वैज्ञानिक विधियों, रख–रखाव एवं उत्पादन बढ़ाने के उपायों पर मार्गदर्शन प्रदान किया गया।

इसके साथ ही विकासखण्ड कोलारस के ग्राम मोहराई के प्रगतिशील कृषक हरनाम जाटव द्वारा मधुमक्खी पालन के अपने व्यावहारिक अनुभव साझा करते हुए उपयोगी सामग्री का प्रदर्शन कर उपस्थित कृषकों को जानकारी दी गई।

कार्यक्रम का आयोजन डॉ.पुनीत कुमार, वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख के निर्देशन में तथा सह संयोजक डॉ.एम.के.भार्गव, वरिष्ठ वैज्ञानिक के समन्वय से संपन्न हुआ। सेमीनार में कृषि, उद्यानिकी, आत्मा एवं अन्य संस्थानों के सहयोग से 300 से अधिक कृषकों, कृषक महिलाओं एवं ग्रामीण युवाओं ने सहभागिता की।

कार्यक्रम में सहायक संचालक उद्यान निर्मल गोयाल सहित कृषि विज्ञान केन्द्र शिवपुरी के वैज्ञानिक एवं स्टाफ डॉ. प्रशांत कुमार गुप्ता, डॉ. पुष्पेंद्र सिंह, डॉ. सुरूचि सोनी, डॉ. नीरज कुमार कुशवाहा, विजय प्रताप सिंह, सतेन्द्र गुप्ता एवं आरती बंसल उपस्थित रहे।

सुल्तानपुर के बहुचर्चित चिकित्सक हत्याकांड पर कोर्ट ने सुनाया फैसला, आरोपियों को उम्र कैद की सजा दी

सुल्तानपुर के बहुचर्चित चिकित्सक घनश्याम तिवारी हत्याकांड मामले में कोर्ट ने आरोपियों को सजा सुना दी है। कोर्ट ने आरोपियों को उम्रकैद की सजा दी है। बहुचर्चित चिकित्सक घनश्याम तिवारी हत्याकांड में एडीजे प्रथम संध्या चौधरी की अदालत ने मंगलवार को दोषियों की सजा पर अपना फैसला सुना दिया। जिसमें अदालत ने दोषी अजय नारायण सिंह व दीपक सिंह को उम्रकैद व अर्थदंड की सजा सुनाई है। दोनों दोषियों को अदालत ने सजा काटने के लिए जेल भेजने का आदेश दिया है। अभियोजन पक्ष से पैरवी कर रहे शासकीय अधिवक्ता पवन कुमार दुबे ने कहा कि उन्हें न्यायालय पर पूरा भरोसा था। पीड़ित के परिवार के साथ न्याय जरूर होगा। कोर्ट के फैसले का सभी को इंतजार था, जो आ चुका है। कोतवाली नगर के शास्त्री नगर मोहल्ले की रहने वाली वादिनी निशा तिवारी ने 23 सितंबर 2023 की घटना बताते हुए अपने पति घनश्याम तिवारी की हत्या के आरोप में स्थानीय कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराया था। मामले में पुलिस ने नारायनपुर गांव निवासी जगदीश नारायण सिंह, विजय नारायण सिंह, अजय नारायन सिंह व धनपतगंज थाने के मायंग निवासी दीपक सिंह के खिलाफ आरोप–पत्र पेश किया था। मामले में दो आरोपियों की मृत्यु हो चुकी है जबकि आरोपी अजय नारायण सिंह व दीपक सिंह के खिलाफ ट्रायल चल रहा था। अभियोजन पक्ष से शासकीय अधिवक्ता पवन कुमार दुबे व निजी अधिवक्ता संतोष कुमार पांडेय ने पैरवी की।

आईटीआई के संयुक्त तत्वावधान में एक वृहद रोजगार मेले का आयोजन किया गया

क्यूँ न लिखूँ सच /श्याम जी कश्यप /फर्रुखाबाद– फर्रुखाबाद। जनपद के राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (ITI) में सेवायोजन विभाग और आईटीआई के संयुक्त तत्वावधान में एक वृहद रोजगार मेले का आयोजन किया गया। इस मेले में देश के विभिन्न हिस्सों से आई 64 प्रतिष्ठित कंपनियों ने हिस्सा लिया और लगभग 3800 रिक्त पदों पर भर्ती के लिए युवाओं का साक्षात्कार किया। मुख्य अतिथि ने किया शुभारंभ–कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ जिला पंचायत अध्यक्ष मोनिका यादव ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। उन्होंने विभिन्न कंपनियों द्वारा लगाए गए स्टॉलों का निरीक्षण किया और चयनित अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र वितरित किए। इस अवसर पर उन्होंने दूर–दराज से आए युवाओं के उत्साह की सराहना की। कई राज्यों और जिलों से पहुंचे अभ्यर्थी–मेले में केवल स्थानीय ही नहीं, बल्कि दिल्ली, गुरुग्राम, गुजरात, गाजियाबाद और नोएडा जैसे औद्योगिक केंद्रों की कंपनियों ने शिरकत की। अभ्यर्थियों की भारी भीड़ को देखते हुए यह मेला काफी सफल रहा। फर्रुखाबाद के अलावा पड़ोसी जिलों जैसे= हरदोई, शाहजहांपुर, मैनपुरी बदायूं, बरेली, एटा कासगंज, कन्नौज और रायबरेली– से भी बड़ी संख्या में युवा अपने सुनहरे भविष्य की तलाश में यहाँ पहुँचे। नियमित रूप से आयोजित होंगे मेले–संस्थान के प्रधानाचार्य ने जानकारी दी कि सरकार के निर्देशानुसार आईटीआई परिसर में हर महीने दो छोटे रोजगार मेले आयोजित किए जाते हैं। वहीं, शासन की अनुमति से वर्ष में एक या दो बार इस प्रकार के वृहद मेलों का आयोजन किया जाता है ताकि अधिक से अधिक युवाओं को रोजगार के अवसर मिल सकें। अभ्यर्थियों का अनुभव– मेले में आए युवाओं ने सोशल मीडिया और अन्य माध्यमों से मिली जानकारी के आधार पर अपनी भागीदारी दर्ज कराई। जहानगंज क्षेत्र के बेहटा निवासी अरविंद कुमार (ग्रेजुएट व आईटीआई उत्तीर्ण) ने बताया कि उन्होंने पांच कंपनियों में इंटरव्यू दिया और उनका चयन भी हो गया। वहीं शाहजहांपुर और हरदोई से आए युवाओं ने भी इस पहल को रोजगार पाने का एक बेहतर मंच बताया।

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच को जिला एवं तहसील स्तर पर ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन प्रतिनिधि चाहिए
9027776991
knlslive@gmail.com

वृहद स्वास्थ्य शिविर का भव्य समापन, उत्कृष्ट सेवाओं हेतु चिकित्सकों एवं स्वयंसेवकों का हुआ सम्मान

क्यूँ न लिखूँ सच / राजकुमार शर्मा (कटारे)/ शिवपुरी– शिवपुरी, जिला प्रशासन, श्रीमंत माधवराव सिंधिया स्वास्थ्य सेवा मिशन एवं रोटरी क्लब के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित वृहद स्वास्थ्य शिविर का समापन एवं सम्मान समारोह आज सीएम राइज स्कूल, शिवपुरी में मध्यप्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन के अध्यक्ष महानार्यमन सिंधिया के मुख्य आतिथ्य में संपन्न हुआ।

कार्यक्रम में ऊर्जा मंत्री एवं जिले के प्रभारी प्रद्युम्न सिंह तोमर, विधायक कोलारस महेन्द्र यादव, विधायक पिछोर प्रीतम लोधी, कलेक्टर रवीन्द्र कुमार चौधरी, पुलिस अधीक्षक अमन सिंह राठौड़, रोटरी रीजनल मेडिकल मिशन के अध्यक्ष भूपेन्द्र जैन, सचिव डॉ. प्रदीप पाराशर, माधवराव स्वास्थ्य सेवा मिशन के प्रतिनिधि रमेश अग्रवाल, जिला अध्यक्ष जसमंत जाटव, जिला पंचायत अध्यक्ष नेहा यादव, नगर पालिका अध्यक्ष गायत्री शर्मा, पूर्व मंत्री सुरेश राठखेड़ा, पूर्व विधायक सकुन्तला खटीक, प्रहलाद भारती, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी विजय राज, मेडिकल कॉलेज शिवपुरी के डीन डॉ.परमहंस, सिविल सर्जन बी.एल.यादव, कॉर्डिनेटर लॉ. पवन जैन, कोषाध्यक्ष उदित चतुर्वेदी, रोटरी क्लब शिवपुरी के अध्यक्ष दीपेश सांखला सहित जनप्रतिनिधि, अधिकारीगण, रोटरी क्लब के पदाधिकारी, चिकित्सक, स्वास्थ्य कर्मी, आशा कार्यकर्ता, एनसीसी, एनएसएस एवं स्वयंसेवक बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

प्रभारी मंत्री श्री तोमर ने अपने संबोधन में कहा कि शासन का उद्देश्य अंतिम छोर के व्यक्ति तक शिक्षा एवं स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाना है।

उन्होंने शिविर में सेवा देने वाले सभी स्वयंसेवकों, चिकित्सकों एवं सहयोगी कर्मियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनके द्वारा किए गए सेवा कार्य समाज के लिए प्रेरणादायक हैं। कार्यक्रम में उपस्थित शिविर में अपनी सेवाएं देने वाले सभी वॉलेंटियर्स के बिना यह संभव नहीं हो पाता। शिविर में आपने जो सेवाएं दी है, उनसे जो दुआएं आपको मिलेगी, वो आने वाली पीढ़ियों तक काम आएगीं। सभी लोग हमेशा सेवा के लिए तत्पर रहे।

मुख्य अतिथि महानार्यमन सिंधिया ने अपने उद्बोधन में कहा कि यह शिविर जनसेवा का उत्कृष्ट उदाहरण है, जहां एक ही स्थान पर व्यापक स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराई गईं। उन्होंने चिकित्सकों, नर्सिंग स्टाफ, सफाई कर्मियों, भोजन व्यवस्था से जुड़े कर्मचारियों, एम्बुलेंस एवं बस चालकों सहित सभी सहयोगियों के योगदान की सराहना की। उन्होंने कहा कि टीमवर्क के माध्यम से ही इस प्रकार का सफल आयोजन संभव हो पाया है। सभी ने एक टीम बनकर इस कैम्प के माध्यम से यह उदाहरण पेश किया है

कि यदि साथ मिलकर काम किया जाए तो प्रत्येक व्यक्ति पर कितना अच्दा प्रभाव पड़ता है। जिन लोगों ने शिविर में कार्य किया, जो अनुभव प्राप्त किया वो कहीं नहीं मिलेगा। जब सुरक्षित पर्यावरण एक क्षेत्र में होता है तब एक कार्यक्रम सफल होता है।

कार्यक्रम में शिविर के सफल संचालन में योगदान देने वाले चिकित्सकों, स्वयंसेवकों एवं विभिन्न सहयोगियों का सम्मान भी किया गया।

उल्लेखनीय है कि 17 मार्च से 24 मार्च 2026 तक आयोजित इस वृहद स्वास्थ्य शिविर में हजारों मरीजों को नि:शुल्क परामर्श, जांच एवं उपचार की सुविधाएं उपलब्ध कराई गईं, जिससे यह शिविर जन–स्वास्थ्य के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण पहल के रूप में स्थापित हुआ है।

Stubborn pimples won't go away? Try these 4 effective face packs made from neem to get rid of them.

If you're also troubled by pimples, you should try some face packs made from neem. The antibacterial properties of neem eliminate pimples. The neem-turmeric pack reduces red pimples and inflammation. The neem-multani mitti pack is effective for oily skin. Pimples are a problem that almost everyone faces at some point. Due to dust, pollution, and changing lifestyles, the skin loses its glow, and stubborn pimples take over the face. In such situations, neem, Ayurveda's most trusted companion, proves to be a panacea. Neem has antibacterial, antifungal, and anti-inflammatory properties that eliminate pimple-causing bacteria and help reduce their scars. Let's explore four effective neem face packs you can easily make at home. Neem and Turmeric Face Pack - Both neem and turmeric are known for their medicinal properties. This pack is especially suitable for those with red and painful pimples. How to make it: Take 1 tablespoon of neem leaf powder and add a pinch of turmeric. Add a little water or rose water to make a thick paste. Apply it to the pimples on your face and wash it off with cold water after 15-20 minutes. Turmeric reduces inflammation, while neem prevents infection. Neem and Multani Mitti - If you have extremely oily skin, Multani Mitti combined with neem can work wonders. This pack absorbs excess oil from pores and deeply cleanses the skin. How to make it: Mix 1 teaspoon of neem powder and rose water with 1 teaspoon of multani mitti. Apply this paste to the entire face. After it dries, wash it off with plain water. It controls facial oil and prevents the appearance of new pimples. Neem and Aloe Vera Face Pack - Sometimes pimples can cause dry and dull skin, while neem helps treat pimples. How to Make: Take fresh aloe vera gel and mix it with 1 teaspoon of neem powder. Gently massage the mixture onto your face for 2-3 minutes, then leave it on for 15 minutes. This pack is excellent for lightening pimple blemishes. Neem and Yogurt Face Pack - Yogurt contains lactic acid, which exfoliates the skin, and neem cleanses away impurities. This pack also helps improve skin tone. How to Make: Mix 1 tablespoon of fresh yogurt with 1 teaspoon of neem paste. Apply it to your face and let it dry. The cooling effect of the yogurt will soothe the irritation of pimples and brighten your skin. Important Note: Before applying any pack to your face, do a patch test behind your ear to check for irritation or allergic reactions.

Are you at risk of a silent heart attack? Now, AI will detect the disease in the blink of an eye.

According to new research, AI-based ECG interpretation is more accurate in detecting occlusive myocardial infarction than standard methods. AI-based ECG interpretation improves heart attack detection - identifies occlusive MI in patients without ST elevation - Study presented at the ESC 2026 conference shows increased accuracy. Heart attack cases are increasing rapidly worldwide. An artificial intelligence (AI)-based ECG interpretation method outperformed standard methods in detecting occlusive myocardial infarction (MI). This information was revealed according to a study presented at ESC Acute Cardiovascular Care 2026, a conference of the Association for Acute Cardiovascular Care (ACVC), a branch of the European Society of Cardiology (ESC). Blockage in the coronary artery - In patients suspected of having acute coronary syndrome infarction (ACS), a characteristic change in the ESC, called ST elevation, indicates that the patient may have a blockage in the coronary artery. This type of heart attack is known as ST myocardial infarction (SEMI) and requires immediate percutaneous coronary intervention to restore blood flow to the heart. In patients who do not have ST elevation, the cause of chest pain may be less certain. Dr. Federico Nani of the Central Hospital of Bolzano, Italy, explained that many patients who do not have ST elevation have an occlusive MI, but it may be difficult for doctors to identify it quickly and accurately, leading to delays in emergency treatment. We investigated whether AI-based interpretation of initial ECGs could improve the accuracy of detecting occlusive MI. Study of 1,490 patients: This single-center prospective study included 1,490 patients who presented with symptoms of ACS but did not have ST elevation on their initial ECG. Their average age was 63 years, and 42 percent were women. Doctors examined the initial ECG, checked the cardiac biomarker troponin levels, and, if necessary, performed coronary angiography to detect occlusive MI based on ESC guidelines. The initial ECG was also analyzed by a smartphone-based, CE-certified AI ECG algorithm. Correctly identified occlusive MI in 42 percent of cases: AI-based ECG interpretation ruled out occlusive MI in 1,382 patients and detected it in 108 patients (7 percent). The AI-based method detected obstructive MI in 84 percent of cases. Its sensitivity was 77 percent, specificity 99 percent, and negative predictive value 98 percent. There were 27 false negatives (2 percent) and 17 false positives (1 percent). In 1,207 patients, occlusive MI was ruled out based on troponin levels, and 283 patients underwent coronary angiography to confirm or rule out the diagnosis. ECG interpretation correctly identified occlusive MI in 42 percent of cases. Dr. Nani concluded that this simple, accessible AI-based approach demonstrates better accuracy than conventional diagnosis in identifying occlusive MI in patients without ST elevation.

Beware! Ignoring body pain for a long time can make you a victim of depression.

New research has revealed that ignoring chronic pain for a long time can lead to depression. Ignoring chronic pain increases the risk of depression. The brain's hippocampus shrinks in depression. Timely pain treatment can prevent depression. Do you often ignore chronic pain? If so, you need to be cautious now. A recent scientific study has revealed the surprising fact that enduring pain for a long time can lead to depression. Pain directly affects certain parts of our brain, which can alter our mental state. The secret of depression lies in the hippocampus of the brain. According to this research, published in the prestigious journal "Science," our brain contains an important part called the hippocampus, which is the center of memory. The hippocampus acts as a control room, controlling our emotional responses to chronic pain. When pain persists for a long time, certain changes occur in this area that can push a person towards depression. Does every pain lead to depression? To understand this study in depth, researchers analyzed human brain scans, data from the UK Biobank, and a model conducted on mice. Jianfeng Feng, a professor of computer science at the University of Warwick, UK, and co-author of the study, explains that it is not necessary that everyone who suffers from pain will develop depression. It completely depends on how the brain responds to that pain over time. A major difference was seen between depression and brain volume - A very interesting difference was found in the study. Those who were in pain for a long time but did not suffer from depression, their hippocampus volume was found to be slightly larger and its activity increased. In contrast, those who suffered from depression along with pain had a reduced hippocampus, impaired activity, and significantly impaired cognitive function. A more detailed analysis of long-term data revealed that these negative brain changes do not occur suddenly; they develop gradually over time. Therefore, it is important to address chronic pain early rather than dismiss it lightly.

Divyanka Tripathi will become a mother at the age of 41, will Divyanka and Vivek give good news to fans after 10 years of marriage?

Divyanka Tripathi and Vivek Dahiya got married 10 years ago in 2016. Is Divyanka Tripathi going to become a mother? Will TV actors become parents after 10 years of marriage? - The couple got married in 2016. Famous television couple, Divyanka Tripathi and Vivek Dahiya, are expecting their first child. Divyanka and Arjun got married 10 years ago in 2016. Will become parents after 10 years of marriage - Now, after 10 years of marriage, Divyanka and Arjun are going to become parents. Although the couple has not officially announced it, according to a report in Times of India, the couple is expecting their first child. Divyanka and Vivek first met on the sets of the famous television show 'Yeh Hai Mohabbatein'. Friendship blossomed into love, and the couple married on July 8, 2016, in a lavish but private ceremony in Bhopal; the ceremony was attended by their close friends and television personalities. Divyanka expresses love on Valentine's Day - On the occasion of Valentine's Day, Divyanka shared some adorable pictures and wrote in the caption, "It's our 10th Valentine's Day! Although, it doesn't feel like it at all! Jaan, no matter how shy you may be about PDA (public displays of affection), I promise I will always express my love like this. Happy Valentine's Day." Divyanka's work front - On the work front, Divyanka participated in the 2004 reality show India's Best Cinestars Ki Khoj. She also played the lead role of Vidya in the 2006 show Banoo Main Teri Dulhan. Divyanka has participated in reality shows like Khana Khazana, Nachle Ve with Saroj Khan, Zor Ka Jhatka: Total Wipeout, Comedy Circus, Nach Baliye 8, and Fear Factor: Khatron Ke Khiladi 11. The actress last starred as Inspector Parvati Sehgal in Adrishyam, opposite Eijaz Khan as Ravi Verma. The show is streaming on Sony Liv.

Divyanka Tripathi shares photo flaunting her baby bump, set to become a mother after 10 years of marriage

Divyanka Tripathi and Vivek Dahiya have confirmed their pregnancy after 10 years of marriage. Divyanka shared photos of her baby bump and announced that they are expecting a baby. Their baby is due in June. Divyanka Tripathi and Vivek Dahiya confirm pregnancy. The couple is about to become parents after 10 years of marriage - Divyanka shares baby bump photos. Television couple Divyanka Tripathi and Vivek Dahiya have put an end to pregnancy rumors for now. The couple has finally confirmed the news of their pregnancy. After 10 years of marriage, the couple is about to become parents. It's all over - Divyanka - Divyanka Tripathi has finally shared photos of her baby bump. Sharing the photos, Divyanka wrote, "Plot twist 10 years later. Some journeys aren't meant to be rushed. They're meant to be made together. And then once you're here, you feel like everything is complete...life adds the most beautiful chapter. Still enjoying the moment...still smiling for no reason...our hearts are filled with gratitude." We are going to be parents." Television couple Divyanka Tripathi and Vivek Dahiya have put an end to pregnancy rumours. The couple has finally confirmed the news of their pregnancy. After 10 years of marriage, the couple is going to become parents. Everything is complete - Divyanka - Divyanka Tripathi has finally shared photos with her baby bump. While sharing the photos, Divyanka wrote - 'Plot twist after 10 years. Some journeys are not meant to be rushed. They are meant to be prepared together. And then once you are here, everything is complete...life adds the most beautiful chapter. Still enjoying this moment...still smiling for no reason...our hearts are filled with gratitude. We are going to be parents.' Mahi Vij commented, "So happy for you both...coming to hug you." Krushna Abhishek, Arti Singh, and many others also extended their best wishes. It took time for the actress to accept the news: Speaking about their pregnancy, Divyanka and Vivek told ETimes that their baby is due in June. Divyanka explained that she had been taking pregnancy tests almost every month, hoping she would get a positive result. When it finally happened, it took her some time to accept it, and when she told Vivek, he was "quietly happy" but didn't celebrate immediately. Divyanka further said, "My mind and body changed. I became very careful about my eating habits, exercise, and even my movements. I suddenly became extremely self-conscious and cautious." Divyanka and Vivek first met on the sets of the TV serial Yeh Hai Mohabbatein. After being friends for some time, the two got married on July 8, 2016, in Bhopal.

Kim Kardashian's foot slipped at the Oscars 2026 after-party, narrowly tumbling into a bush.

At the Vanity Fair Oscars 2026 after-party, Kim Kardashian nearly fell while wearing 8-inch heels. She lost her balance and landed on a bush. Despite the incident, she composed herself and maintained her dignity. Actress narrowly escaped a fall at the Oscars after-party - 8-inch heels caused her to lose her balance - Kim Kardashian seen in a golden Gucci gown. Even the biggest stars who are always seen on the red carpet sometimes suffer unforeseen events. You've heard many stories of wardrobe malfunctions, but this time, Kim Kardashian suffered something that's hard to believe. However, the actress deserves praise for her handling of the situation. The reality star recently grabbed everyone's attention at the Vanity Fair Oscars 2026 after-party, not only for her stunning look but also for narrowly avoiding a fall. The actress later shared a video of the moment, in which she was seen laughing while holding onto someone for support. She said, "Poor woman! I caught her." Despite slipping, Kim maintained her composure, effortlessly shrugged it off, and continued like a professional. The actress looked stunning in a golden gown - Talking about Kim's look, her after-party look was absolutely stunning. She wore a stunning, figure-hugging golden gown designed by Demna from Gucci's Fall 2026 collection. The gown featured a sleek high neckline, full-length sleeves, and a shimmering finish that beautifully accentuated her figure. The stunning outfit was paired with eight-inch mirror platform heels, which significantly enhanced her height. Clearly, a bit of a risk was taken. She opted for icy blue contact lenses, which further enhanced her look.